दैनिक हिन्दी अख़बार

सच बेधड़क

www.sachbedhadak.com | twitter.com/sachbedhadak | facebook.com/sachbedhadak
YouTube: youtube.com/@sachbedhadak | Instagram: instagram.com/sach_bedhadak

वर्ष: 2 | अंक: 234 जयपुर, गुरुवार, 03 अगस्त, 2023 | श्रावण, कृष्ण पक्ष- द्वितीया, विसं 2080 पृष्ठ: 10 | मूल्य: 2.00

सत्यमेव जयते
राजस्थान सरकार

चिरंजीवी होता राजस्थान

आज शाम 5 बजे

₹220 करोड़ लागत से
148 चिकित्सा संस्थानों का
लोकार्पण

₹551 करोड़ लागत से
101 चिकित्सा संस्थानों का
शिलान्यास

शुभारंभ
• 10 चिरंजीवी 104 जननी एक्सप्रेस एम्बुलेंस •
• 25 मोबाइल फूड टेस्टिंग लैब •

अंगदान महाअभियान

"राजस्थान का हेल्थ मॉडल आज देश के सामने मिसाल बन गया है। बेहतरीन कोविड मैनेजमेंट, राइट टू हेल्थ, चिरंजीवी योजना, RGHS योजनाओं से आमजन में भी विश्वास बढ़ा है। आज राजस्थान देशभर में नए चिकित्सा संस्थान खोलने में सबसे आगे है। हर गांव-ढाणी तक चिकित्सा संस्थानों का पहुंचना राजस्थान जैसे अधिक क्षेत्रफल वाले राज्य के निवासियों के लिए बेहद संतोषजनक है।

–अशोक गहलोत, मुख्यमंत्री, राजस्थान

LIVE प्रसारण देखने के लिए
स्कैन करें
लॉग ऑन करें
@AshokGehlot.Rajasthan

राजस्थान संवाद

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन
चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण सेवाएं (आई.ई.सी), राजस्थान

जरूरी खबर

BJP प्रदेशाध्यक्ष ने घायल कार्यकर्ताओं से की मुलाकात

जयपुर। 'नहीं सहेगा राजस्थान' अभियान के तहत जयपुर में मंगलवार को हुए भाजपा के प्रदर्शन के दौरान घायल हुए कार्यकर्ताओं से मिलने पार्टी प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी एसएमएस अस्पताल पहुंचे। यहां उन्होंने कार्यकर्ताओं से उनकी कुशलक्षेम पूछी और डॉक्टरों से स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली। इस दौरान प्रदेशाध्यक्ष के साथ महामंत्री भजन लाल शर्मा, मुकेश दाधीच, सांसद बालकनाथ, महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर, जिलाध्यक्ष राघव शर्मा, उपमहापौर पुनीत कर्णावत, जुगल शर्मा व पार्टी के कई पदाधिकारी मौजूद रहे।

जनप्रतिनिधियों ने समझी EVM से मतदान प्रक्रिया

जयपुर। इंदिरा गांधी पंचायती राज एवं ग्रामीण विकास संस्थान में बुधवार को जनप्रतिनिधियों को ईवीएम और वीवीपैट से मतदान की प्रक्रिया की जानकारी दी। इस अवसर पर जिला निवार्चन अधिकारी प्रकाश राजपुरोहित और नोडल अधिकारी स्वीप डॉ. शिल्पा सिंह के निर्देश पर संस्थान में जनप्रतिनिधियों को ज्यादा से ज्यादा मतदाताओं को प्रेरित करने का आह्वान किया। जिला स्वीप को-ऑर्डिनेटर डॉ. स्निग्धा शर्मा ने बताया कि संस्थान में आयोजित मेरी पंचायत मेरा काम कार्यक्रम में मतदाता जागरूकता अभियान के तहत ईवीएम वीवीपैट का प्रदर्शन किया गया। स्वीप को-ऑर्डिनेटर ने जनप्रतिनिधियों को वीएचए एप की जानकारी दी।

सात लाख लोगों को नहीं मिल रहा PM आवास लाभ

जयपुर। केन्द्र सरकार की प्रधानमंत्री आवास योजना के लाभ से प्रदेश के सात लाख परिवार आज भी वंचित है। हालांकि इस संदर्भ में राज्य सरकार ने केन्द्र सरकार को पत्र लिख कर उन्हें पोर्टल में जोड़ने के लिए भी कह दिया है, लेकिन फिर केन्द्र सरकार ने शेष परिवारों को पोर्टल पर नहीं जोड़ा है। बुधवार को विधानसभा में उनियारा विधायक हरीश मीणा के सवाल के जबाव में ग्रामीण विकास मंत्री रमेश मीणा ने यह बात की। उन्होंने कहा कि पात्र परिवारों को पोर्टल पर अपलोड कराने के राज्य सरकार निरंतर प्रयास कर रही हैं।

राहुल की राजस्थान यात्रा को लेकर तैयारी में जुटी कांग्रेस, ईआरसीपी व मणिपुर हिंसा को लेकर बोलेंगे हमला

भाजपा को घेरने की तैयारी के साथ शुरू होगा 'मिशन रिपीट'

बेधड़क | जयपुर

भारत जोड़ों यात्रा के बाद राहुल गांधी 9 अगस्त के राजस्थान के पहले दौरे पर आएंगे। इसको लेकर कांग्रेस तैयारियों में जुट गई है। मंगलवार को सभा स्थल का जायजा और उदयपुर व चित्तौड़गढ़ में कार्यकर्ताओं की बैठक लेने के बाद बुधवार को पीसीसी चीफ गोविंद सिंह डोटसरा और राजस्थान प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा सहित तमाम नेता जयपुर पहुंच गए हैं।

जहां से राहुल की सभा को लेकर आगामी रणनीति बनाने में जुट गए हैं। राहुल के इस दौरे को कांग्रेस इसलिए महत्वपूर्ण मान रही है कि इस दौरे के साथ ही कांग्रेस आलाकमान की मिशन रिपीट अभियान की शुरूआत हो जाएगी। वहीं प्रदेश कांग्रेस के लिए यह दौरा इसलिए भी खास है क्योकि भारत जोड़ो यात्रा के बाद राहुल की कांग्रेस शासित राजस्थान में पहली यात्रा और सभा करने आ रहे हैं।

ऐसे में आगामी विधानसभा चुनावों में कांग्रेस पार्टी के फिर से सत्ता में आने की संभावनाओं को लेकर और आदिवासी वोट बैंक को साधने के लिए यह दौरा महत्वपूर्ण माना जा रहा हैं। राजस्थान प्रभारी रंधावा ने कहा कि राहुल 9 अगस्त को बांसवाड़ा क्षेत्र के मानगढ़ में सभा को संबोधित करेंगे। यह क्षेत्र आदिवासी बाहुल्य है और हमारे नेता आदिवासी दिवस पर समुदाय के सदस्यों को संबोधित करेंगे। डोटासरा ने कहा कि इस सभा से कांग्रेस के मिशन रिपीट अभियान की शुरुआत होगी।

पीएम मोदी पर हमला बोलने की तैयारी

माना जा रहा है कि राहुल के दौरे के साथ ही बांसवाड़ा के मानगढ़ से कांग्रेस के चुनाव अभियान की शुरुआत होगी। वहीं आदिवासियों के लिए एक चार्टर की घोषणा हो सकती हैं। भाजपा केंद्र सरकार की नौ साल की उपलब्धियों और कांग्रेस शासित राज्य सरकार की योजनाओं की विफलताएं बताकर वोट बैंक जुटाने में लगी हुई है। ऐसे में राहुल मंच से पीएम नरेन्द्र मोदी की नाकामियों और केंद्र सरकार की योजनाओं की विफलताओं को गिनाकर हमला बोलने की तैयारी के साथ प्रदेश में आ सकते हैं।

भाजपा को घेर सकते हैं गांधी

प्रदेश में 13 राज्यों के लिए पेयजल के लिए घोषित ईआरसीपी परियोजना को राष्ट्रीय परियोजना का दर्जा दिलाने, उत्तर-पूर्वी मणिपुर में चल रहे बवाल को लेकर, भाजपा के तुष्टिकरण के आरोपों को लेकर, केन्द्र सरकार की गलत नीतियों और प्रदेश के भाजपा सांसदों की विफलताओं को गिनाकर राहुल गांधी भाजपा को घेर सकते हैं। क्योकि तैयारियों के दौरान रखी गई बैठक में रंधावा ने कहा कि राजस्थान के कई जिलों में पानी की योजना को लेकर केन्द्र सरकार मौन है। वहीं भाजपा के अब नहीं सहेगा हिन्दुस्तान पर निशाना साधते हुए कहा था कि मैं राजस्थान के 25 सांसदों से पूछना चाहता हूं कि उन्होंने कभी पार्लियामेंट में राजस्थान की बात क्यों नहीं की। सारे के सारे गूंगे पहलवान बनकर बैठे हैं। उन्होंने कहा कि देश में भाईचारे का माहौल बने इसके लिए राहुल गांधी ने 3500 किलोमीटर पैदल चलकर भारत जोड़ो यात्रा की। केन्द्र सरकार की गलत नीतियों के विरूद्ध कांग्रेस पार्टी और अधिक मजबूती से मुद्दे उठाएगी और जिस प्रकार कर्नाटक में भाजपा को हराया है उसी तरह कांग्रेस पार्टी आने वाले चार राज्यों के चुनावों में भाजपा को सबक सिखाएगी।

इधर... भारतीय जनता पार्टी का कांग्रेस को घेरने का प्लान

तीन माह का रोडमैप किया तैयार सरकार की कमी करेंगे उजागर

पेपरलीक, युवाओं और भ्रष्टचार के मुद्दे पर तैयार होगा कांग्रेस के खिलाफ माहौल

बेधड़क | जयपुर

भाजपा ने कांग्रेस को घेरने के लिए आगामी तीन महीने का प्लान तैयार कर लिया हैं। इसके तहत भाजपा राज्य सरकार की हर कमी को उजागर करेगी और जनता में कांग्रेस सरकार के खिलाफ माहौल बनाएगी। भाजपा प्रदेश कार्यालय जयपुर में बुधवार को चुनाव प्रबंधन समिति की कार्यशाला में यह निर्णय लिया गया हैं।

इसके साथ ही आगामी तीन महीने के लिए प्रदेश भाजपा ने अपने कार्यक्रमों की रूप-रेखा और रोडमैप तैयार कर लिया है। इसके लिए सुझाव मांग कर चुनावों की रणनीति पर चर्चा भी की है। वहीं मतदाताओं को साधने के लिए बूथ स्तर और घर-घर तक भाजपा कार्यकर्ताओं ने पहुंचने की योजना तैयार की हैं। कार्यशाला में भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी ने कहा कि पार्टी में जिस कार्यकर्ता को जो काम दिया जाए और दिया गया है उसे तय डेडलाइन पर पूरा करना हैं। उन्होंने कहा कि समय कम है, इसलिए आगामी चुनाव को लेकर तैयार रहें। वहीं कोई कार्यकर्ता यह नहीं सोचे कि उसके काम को कोई देख नहीं रहा। संगठन में काम को जांचने वाली और परखने वाली हजारों आंखे होती हैं।

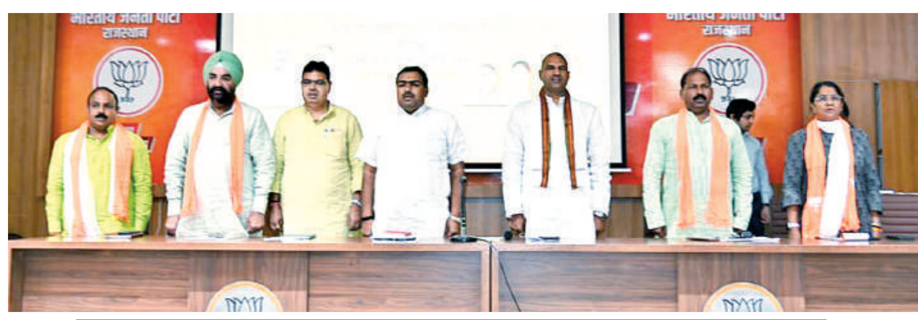

लाभार्थियों के पास जाकर मोदी सरकार की योजनाओं की समीक्षा करें। टोली बनाकर सामंजस्य से काम करें और भाजपा को जीत दिलाने में जुट जाएं। प्रदेश संगठन महामंत्री चंद्रशेखर ने कहा कि कार्यशाला में कार्यकर्ताओं को बूथ स्तर से लेकर मंडल और विधानसभा स्तर तक पहुंचकर हर मतदाता से संपर्क करने की रूपरेखा तैयार की गई है। कांग्रेस के इस शासन काल में महिला उत्पीडन, भ्रष्टाचार, बदहाल कानून व्यवस्था, युवाओं, दलितों और किसानों को लेकर इस सरकार में रह गई हर कमी को भाजपा उजागर करेगी और कांग्रेस के खिलाफ माहौल तैयार करेगी। कांग्रेस को घेरेने को लेकर तमाम अभियान और कार्यक्रमों की रणनीति तैयार की है।

BJP कार्यकर्ताओं का नए वोटर्स पर रहेगा फोकस

भाजपा नेताओं की ओर से कार्यकर्ताओं को नए वोटर्स पर फोकस करने को कहा गया हैं। भाजपा पदाधिकारियों ने बताया कि प्रदेश में लाखों नव मतदाता पहली बार वोट डालेंगे। इसके लिए भाजपा युवा मोर्चा की टीम नव मतदाता अभियान के तहत सेल्फी कार्यक्रम भी चला रही हैं। इस कार्यक्रम के दौरान नवमतदाताओं से कॉलेज, छात्रावास और अन्य स्थानों पर व्यक्तिगत मिलकर राष्ट्र प्रथम के संकल्प से भी जोड़ा जाएगा। भाजपा की नीतियों और केंद्र सरकार की लोककल्याणकारी योजनाओं से भी अवगत कराने का काम किया जाएगा। वहीं युवाओं, किसानों से कांग्रेस की वादाखिलाफी, महिला अपराध, पेपर लीक के मुद्दों पर राज्य सरकार को घेरा जाएगा। बैठक में प्रदेश उपाध्यक्ष सरदार अजयपाल, जितेन्द्र गोठवाल, संतोष अहलावत, प्रदेश महामंत्री भजनलाल शर्मा, मोतीलाल मीणा और दामोदर अग्रवाल सहित मोर्चा, प्रकोष्ठ और अन्य भाजपा पदाधिकारी मौजूद रहे।

महिला अत्याचारों को लेकर घेरा

वहीं प्रदेश कार्यालय से भाजपा विधायक व प्रदेश प्रवक्ता अनिता भदेल और प्रदेश उपाध्यक्ष संतोष अहलावत ने प्रेसवार्ता कर कांग्रेस सरकार पर जुबानी हमला बोला। भदेल ने कहा कांग्रेस सरकार के मंत्रियों और विधायकों के बेटे भतीजे और रिश्तेदार खुद दुष्कर्म के आरोपी हैं। महिला दुष्कर्म और उत्पीडन के मामलों के अलावा प्रदेश में नशे और चाईल्ड पोर्नोग्राफी के मामले भी सामने आ रहे हैं। जयपुर में चाईल्ड पोर्नोग्राफी के विडियो वायरल हो रहे हैं। इस पर अहलावत ने कहा कि प्रदेश में दुष्कर्म और महिला उत्पीड़न के मामले इस कदर बढ़े हैं कि कोई भी माता-पिता अपने बच्चों को घर से बाहर भेजने से भी डरता है। अब समय आ गया प्रदेश की महिलाओं को खुद ही अपनी रक्षा करनी पड़ेगी।

राजीव गांधी शहरी ओलंपिक 5 से

12 खेल मैदानों में खेलेंगे 1781 टीम के 18,457 खिलाड़ी

बेधड़क | जयपुर

पांच अगस्त से शुरू होने वाले राजीव गांधी शहरी ओलंपिक खेल प्रतियोगिता के आयोजन के संदर्भ में बुधवार को ग्रेटर निगम मुख्यालय में एक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में ग्रेटर निगम आयुक्त महेन्द्र सोनी ने सभी जोन उपायुक्तों, प्रभारी खेल अधिकारियों और अन्य संबंधित अधिकारियों को दिशा निर्देश दिए।

उन्होंने बताया कि नगर निगम ग्रेटर के वार्डों में चयनित 15 क्लस्टरों में 1781 टीमों का ऑनलाइन गठन हो चुका है। प्रतियोगिता में 18457 खिलाड़ी भाग लेंगे। 15 क्लस्टर के लिए 12 खेल मैदानों का चयन कर लिया गया है। इनमें मुरलीपुरा जोन में भवानी निकेतन कॉलेज, विद्याधर नगर जोन में विद्याधर नगर स्टेडियम, झोटवाड़ा जोन में पुरोहित हरिनारायण राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, सिरसी के मैदान में टेनिस बॉल क्रिकेट का आयोजन किया जाएगा। शेष खेल चित्रकूट स्टेडियम वैशाली नगर में आयोजित होंगे।

मानसरोवर जोन में रियान स्कुल और रुक्मणी बिरला स्कूल, सांगानेर जोन में मॉर्निंग स्टार सैन्ट एंसलम स्कूल सांगानेर, ग्लोबल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी और सीतापुरा इंस्टीट्यूट एरिया, जगतपुरा जोन में सुबोध पब्लिक स्कूल, स्वामी केशवानंद इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी जगतपुरा, और मालवीय नगर जोन में राजस्थान कॉलेज, राजस्थान विश्वविद्यालय में आयोजित होंगे। पांच अगस्त से शुरू होने वाली प्रतियोगिता में टेनिस बॉल क्रिकेट, एथेलेटिक्स, कबड्डी, खो-खो, वॉलीबॉल, फुटबॉल, बास्केट बॉल को शामिल किया गया है।

कैसीनो और ऑनलाइन गेमिंग के नियमो की करें समीक्षा: कल्ला

बेधड़क | जयपुर

केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में बुधवार को जीएसटी परिषद की 51वीं बैठक आयोजित हुई। बैठक में प्रदेश का प्रतिनिधित्व करते हुए शिक्षा मंत्री डॉ. बीडी कल्ला ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से शिरकत कर राज्य का पक्ष रखा।

इस दौरान कल्ला ने कहा कि जीएसटी परिषद की सिफारिश के अनुरूप कैसीनो और ऑनलाइन गेमिंग के लिए आपूर्ति के मूल्य के सम्बंध में अंतिम निर्णय लिए जाने से पहले इस मुद्दे पर विस्तृत परीक्षण एवं विचार-विमर्श जरूरी है। उन्होंने कहा कि कैसीनो, रेसकोर्स और ऑनलाइन गेमिंग के लिए भुगतान किए गए पूर्व दांव मूल्य और अंकित मूल्य पर कर आरोपित होगा। वहीं आपूर्ति के मूल्य के लिए परिषद की सिफारिश कैसीनो और ऑनलाइन गेमिंग के लिए एक समान है। उन्होंने कहा कि ऑनलाइन गेमिंग पर 28 प्रतिशत की दर लागू करना इसे बेटिंग और गेम्बलिंग की श्रेणी से पृथक करने को बाधित नहीं करता है।

उन्होंने कहा कि इसे जीएसटी कानून के तहत बेटिंग और गेम्बलिंग के साथ जोड़ना, इन नियमों की भावना के विपरीत होगा।

खेतड़ी के प्राचीन भवनों का होगा संरक्षण

बेधड़क | जयपुर

राज्य सरकार पर्यटन को बढ़ावा देने के साथ प्राचीन विरासतों के संरक्षण के लिए कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने जयपुर और झुंझुनूं स्थित खेतड़ी के प्राचीन भवनों में विकास कार्यों के वित्तीय प्रस्ताव को मंजूरी दी है।

इस स्वीकृति के बाद जयपुर के खेतड़ी हाउस और झुंझुनूं के मोती महल और अमरहॉल (खेतड़ी) में जीर्णोद्धार के कार्य किए जाएंगे। जीर्णोद्धार में 2.05 करोड़ रुपए की लागत आएगी। वहीं मुख्यमंत्री गहलोत ने प्रदेश के बच्चों और युवाओं को उच्चस्तरीय

खेल प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए ब्लॉक स्तर पर खेल प्रशिक्षक ग्रेड-तृतीय के 100 नवीन पदों के सृजन के प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की है।

प्रस्तावित पद मेजर ध्यानचंद योजना के तहत सभी ब्लॉक स्तर पर बनाए जा रहे स्टेडियम के लिए सृजित किए जाएंगे। गहलोत के इस निर्णय से प्रदेश के खिलाड़ियों को उच्च स्तरीय प्रशिक्षण प्राप्त होगा और प्रशिक्षण प्राप्त कर खिलाड़ी विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में बेहतर प्रदर्शन कर सकेंगे।

नाथद्वारा में खुलेगा आयुर्वेद, योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा महाविद्यालय

राजसमंद जिले के नाथद्वारा में आयुर्वेद, योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा एकीकृत महाविद्यालय खोला जाएगा। इसके लिए मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने 38.60 करोड़ रुपए के वित्तीय प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की है। इसके अलावा महाविद्यालय और चिकित्सालय के संचालन के लिए 125 नवीन पदों के सृजन के प्रस्ताव को भी मंजूरी प्रदान की है। महाविद्यालय के खुलने से मेवाड़ क्षेत्र के छात्र-छात्राओं को आयुर्वेद की पढ़ाई के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा।

जयपुर-मुंबई एक्सप्रेस गोलीकांड

ASI का राजकीय सम्मान से अंतिम संस्कार, असगर अली सुपुर्द-ए-खाक

बेधड़क | जयपुर

जयपुर-मुंबई एक्सप्रेस ट्रेन में सोमवार सुबह हुई फायरिंग की घटना में जान गंवाने वाले सवाई माधोपुर के एएसआई टीकाराम मीणा का गुरुवार को उनके पैतृक गांव श्यामपुरा में राजकीय सम्मान से अंतिम संस्कार किया गया। वहीं इस घटना में मारे गए जयपुर के भट्टा बस्ती निवासी असगर अली को शास्त्री नगर स्थित कब्रिस्तान में सुपुर्द-ए-खाक किया गया।

गौरतलब है कि आरपीएफ के कांस्टेबल चेतन सिंह ने पालघर स्टेशन के पास चलती ट्रेन में अपने ही साथी पर फायरिंग कर दी थी। इसमें सवाई माधोपुर के श्यामपुरा निवासी एएसआई टीकाराम मीणा की मौत हो गई थी। वहीं इस गोलीकांड में जयपुर के भट्टा बस्ती निवासी असगर अली की भी मौत हो गई थी। इन दोनों के शव बुधवार को उनके घर पहुंचे।

एएसआई टीकाराम मीणा को उनके बेटे राजेन्द्र उर्फ दिलखुश ने मुखाग्नि दी। उनकी पार्थिव देह को बुधवार सुबह 4.15 बजे पश्चिम एक्सप्रेस से सवाईमाधोपुर लाया गया। रेलवे स्टेशन पर परिजन और सैकड़ों ग्रामीण मौजूद रहे।

यहां से शव यात्रा रवाना होकर सुबह 6 बजे उनके गांव श्यामपुरा पहुंची। रास्ते में जगह-जगह पुष्प वर्षा की गई। इस दौरान भारत माता की जय... और टीकाराम अमर रहे... के नारों से पूरा क्षेत्र गुंजयमान हो गया। पैतृक गांव श्यामपुरा से शव यात्रा मोक्षधाम पहुंची, जहां पर टीकाराम का राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। इस दौरान उन्हें गॉड ऑफ ऑनर दिया। वहां मौजूद हर व्यक्ति की आंखों में आंसू दिखाई दिए। अंतिम यात्रा में विधायक दानिश अबरार, जिला प्रमुख प्रतिनिधि डिग्गी प्रसाद मीणा, एसडीएम कपिल शर्मा, सीओ सिटी शकील अहमद, आरपीएफ के असिस्टेंट कमांडेंट राजेश दीक्षित सहित हजारों की तादात में ग्रामीण मौजूद रहे।

पीड़ित परिवार के लिए रेलवे ने किया मुआवजे का ऐलान

वहीं एएसआई टीकाराम 2025 में रिटायरमेंट होने वाले थे। रेलवे ने मृतक एएसआई मीणा के परिजनों के लिए 25 लाख की अनुग्रह राशि की घोषणा की थी। टीकाराम मीणा के परिवार में उनकी पत्नी, 25 वर्षीय बेटा और 18 व 20 साल की दो बेटियां हैं। टीकाराम के बेटे राजेंद्र और बेटी पूजा की शादी हो चुकी हैं। शव पहुंचने के बाद ग्रामीणों ने कई मांगों को लेकर अंतिम संस्कार से मना कर दिया था। इसके बाद एसडीएम कपिल शर्मा ने ग्रामीणों और परिजनों को समझाया। उसके बाद श्यामपुरा सरकारी स्कूल का नाम टीकाराम मीणा के नाम पर करने, टीकाराम मीणा को शहीद का पैकेज देने, एक परिजन को सरकारी नौकरी देने की बात पर सहमति बनी। इसके बाद टीकाराम मीणा का अंतिम संस्कार किया गया।

असगर के लिए एक करोड़ के मुआवजे की मांग

वहीं असगर अली का शव जयपुर पहुंचा। असगर के भाई को उनका शव सौंपा गया। अली जयपुर में भट्टा बस्ती में स्थित किराए के मकान में रहते थे। उनकी मौत के बाद परिवार वालों का रो-रोकर बुरा हाल है। असगर मूल रूप से बिहार मधुबनी के रहने वाले थे। रोजी-रोटी की तलाश में 3 साल पहले वह अपने परिवार के साथ जयपुर में रहने लगे थे। परिवार में पत्नी उनकी 4 बेटियां और एक बेटा है। असगर जयपुर से मुंबई काम की तलाश के लिए रवाना हुए थे। ट्रेन मुंबई पहुंचती इससे पहले ही वह ऐसे हादसे का शिकार हो गए। स्थानीय लोगों ने परिवार के भरण-पोषण के लिए सरकार से 1 करोड़ रुपए के मुआवजे की मांग की है। इसके साथ ही उनकी बेटियों के लिए सरकारी नौकरी की मांग की जा रही है।

महेश जोशी पहुंचे, दी मदद

जलदाय मंत्री महेश जोशी असगर पीड़ित परिवार के घर पहुंचे और उन्हें ढाढ़स बंधाया। मृतक के परिवार को 50 हजार रुपए की आर्थिक मदद देने के अलावा, हर संभव सहायता का भी आश्वासन दिया है। जोशी ने कहा कि सरकार पीड़ित परिवार की मदद करने के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध है। मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि परिजनों को इस दुःख को सहने की शक्ति प्रदान करें।

दैनिक हिन्दी अख़बार

सच बेधड़क

वर्ष: 2 | अंक: 234 जयपुर, गुरुवार, 03 अगस्त, 2023 | श्रावण, कृष्ण पक्ष- द्वितीया, विसं 2080 पृष्ठ: 10 | मूल्य: 2.00

www.sachbedhadak.com | twitter.com/sachbedhadak | facebook.com/sachbedhadak | YouTube: youtube.com/@sachbedhadak | Instagram: instagram.com/sach_bedhadak

जरूरी खबर

आज जीटी पर 'विजन विद् विनायक' में आएंगे सन्नी-अमीषा

जयपुर। गदर-2 फिल्म के एक्टर सन्नी देओल और एक्ट्रेस अमीषा पटेल गुरुवार को 'विजन विद् विनायक' शो में ओपन इंट्रेक्शन करेंगे। शहर के गौरव टावर पर शाम 4.30 बजे 'सच बेधड़क' मीडिया ग्रुप के बैनर तले होने जा रहे इस शो में सनी, अमीषा अपनी अपकमिंग फिल्म का प्रमोशन करेंगे और वहां मौजूद लोगों से ओपन इंट्रेक्शन करेंगे। इस शो में सन्नी और अमीषा यंग मीडिया एंटरप्रेन्योर विनायक शर्मा के सवालों के जवाब भी देंगे। इस कार्यक्रम में एंट्री फ्री रहेगी। शो को लेकर जयपुरराइट्स में जबर्दस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। 'सच बेधड़क' की तरफ शो को लेकर विशेष इंतजाम किए हैं। शो का लाइव टेलीकॉस्ट 'सच बेधड़क'चैनल और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर किया जाएगा।

कूनो राष्ट्रीय उद्यान में एक और चीते की मौत

भोपाल। कूनो राष्ट्रीय उद्यान में बुधवार को एक और चीते की मौत हो गई है। मार्च के बाद से इस उद्यान में चीतों की मौत का यह नौवां मामला है, जिनमें छह वयस्क एवं तीन शावक शामिल हैं। मध्य प्रदेश वन विभाग ने कहा कि सुबह धात्री (टिबलिसी) मृत पाई गई। प्रोजेक्ट चीता के तहत 20 चीतों को दो दलों में नामीबिया और दक्षिण अफ्रीका से केएनपी में लाया गया था।

सच बेधड़क
दैनिक हिन्दी अख़बार
अख़बार की प्रति प्राप्त करने के लिए
+91 96640 14179
+91 97830 45155
पर सम्पर्क कर अपना पता नोट करवाएं।

विधानसभा चुनाव की तैयारी: अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी ने घोषित की चार राज्यों के स्क्रीनिंग कमेटी

राजस्थान की कमान गोगोई को... गहलोत-जोशी भी शामिल

बेधड़क | जयपुर

विधानसभा के चुनावी समर में कांग्रेस ने एक कदम और आगे बढ़ते हुए चार राज्यों के स्क्रीनिंग कमेटी घोषित कर दी है। गौरव गोगोई राजस्थान स्क्रीनिंग कमेटी के चेयरमैन में बनाए गए हैं। गोगोई के साथ गणेश गोदियाल और अभिषेक दत्त को स्क्रीनिंग कमेटी का सदस्य नियुक्त किया गया है। जबकि मध्य प्रदेश में राजस्थान के नेता जितेन्द्र सिंह को स्क्रीनिंग कमेटी का चेयरमैन नियुक्त किया गया है। राजस्थान में एक्स ऑफिशियो मेंबर्स में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, प्रदेश प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा, पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट, विधानसभा अध्यक्ष डॉ सीपी जोशी और एआईसीसी के तीनों प्रभारी सचिव को शामिल किया गया है। कमेटी में गहलोत और पायलट को एक साथ शमिल कर कांग्रेस आलाकमान ने एकजुटता के फॉर्मूले पर काम करने के साफ संकेत दे दिए है। कांग्रेस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार स्क्रीनिंग कमेटी विधायक टिकट के लिए तीन-तीन उम्मीदवारों का पैनल तैयार करेंगी। इसके बाद अंतिम निर्णय के लिए केन्द्रीय चुनाव समिति को पैनल सौंपेगी। बताया जा रहा है कि जल्द दिल्ली में स्क्रीनिंग कमेटी की पहली बैठक होगी।

राजस्थान स्क्रीनिंग कमेटी

- गौरव गोगोई चेयरमैन
- गणेश गोदियाल व अभिषेक दत्त-सदस्य
- गोविंद सिंह डोटासरा, अशोक गहलोत, सुखविंदर सिंह रंधावा, सचिन पायलट, सीपी जोशी और एआईसीसी के सभी प्रभारी भी कमेटी में।

एक्स ऑफिशियो मेंबर्स या चूक!

स्क्रीनिंग कमेटी में एक्स ऑफिशियो मेंबर्स के तौर पर मुख्यमंत्री गहलोत, विधानसभा अध्यक्ष जोशी और सचिन पायलट का नाम शामिल किया गया है, जबकि इन तीनों के पास कांग्रेस में फिलहाल कोई पद नहीं है। ऐसी कमेटी में प्रमुख नेताओं को विशेष आंमत्रित सदस्य रखा जाता है। एक्स ऑफिशियो मेंबर्स के तहत ऐसे नामों को माना जाता है जो पहले से पार्टी के पद में है। इसमें राज्य से डोटासरा और रंधावा शामिल हैं।

कहां किसको जिम्मा

मध्यप्रदेश
- भंवर जितेन्द्र सिंह-चेयरमैन
- अजय कुमार लल्लू, सप्तगिरी उलाका-सदस्य
- कमलनाथ, डॉ. गोविंद सिंह, डॉ. जेपी अग्रवाल, दिग्विजय सिंह, कांतिलाल भूरिया, कमलेश्वर पटेल और एआईसीसी के सभी प्रभारी भी कमेटी में।

छत्तीसगढ़
- अजय माकन-चेयरमैन
- डॉ. एल. हनुमंथैया, नेट्टा डिसूजा- सदस्य
- दीपक बैज, भूपेश बघेल, कुमारी शैलजा, टी.एस. सिंह देव और एआईसीसी के सभी प्रभारी भी कमेटी में।

तेलंगाना
- के. मुरलीधरण - चेयरमैन
- बाबा सिद्दीकी व जिग्नेश मेवाणी-सदस्य
- ए. रेवंत रेड्डी, मल्लू भट्टी विक्रमारका, माणिकराव ठाकरे, एन. उत्तम रेड्डी और एआईसीसी के सभी सचिव प्रभारी भी कमेटी में।

सदन के अंदर-बाहर फिर गूंजा 'लाल डायरी' का मुद्दा

बर्खास्त मंत्री ने तीन पन्ने जारी किए, कहा- ये 'लाल डायरी' के

कृषक ऋण राहत आयोग सहित पांच विधेयक पारित

धारीवाल ने कहा... कांग्रेस से बाहर निकाले जाएंगे गुढ़ा

राठौड़ ने कहा... जानकारी गलत तो मुकदमा करें धर्मेंद्र राठौड़

बेधड़क | जयपुर

प्रदेश की सियासत में 'लाल डायरी' का मुद्दा बुधवार को फिर से विधानसभा के अंदर और बाहर उछलता नजर आया। विधानसभा में मामला आने पर हंगामा बरपा, वहीं सदन के बाहर इस मामले में भाजपा और कांग्रेस के नेताओं के बीच तीखी बयानबाजी होती रही।

गहलोत मंत्रिपरिषद से बर्खास्त मंत्री राजेन्द्र गुढ़ा ने तीन पन्ने मीडिया के सामने रखते हुए दावा किया कि ये उसी लाल डायरी के हैं, जिसे वे सदन में रखना चाहते थे। इस मामले में नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ ने कहा कि लाल डायरी का मामला अब सदन की गरिमा का सवाल है। सत्ता पक्ष की गरिमा का सवाल भी उठ जाता है। सत्ता पक्ष का सदस्य लाल डायरी टेबल करना चाहता है। उसे छीन कर ले जाया जाता है। यह भी उचित नहीं है। इस पर जलदाय मंत्री महेश जोशी ने कहा कि यह झूठ बोलने की हाइट है। बीजेपी झूठ बोलने की ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट बन गई है। कौन-सी लाल डायरी थी। किसने छीनी? यह गलत बात है। लगातार झूठ बोल रहे हैं। मामले में संसदीय कार्यमंत्री शांति धारीवाल और गोविन्द सिंह डोटासरा भी राठौड़ से उलझते नजर आए।

हंगामे के बीच कृषक ऋण राहत आयोग विधेयक सहित पांच विधेयक पारित करने और अन्य विधायी कामकाज निपटाने के साथ ही कार्यवाही बुधवार को अनिश्चित काल के लिए स्थगित कर दी गई। इससे पहले हंगामे के चलते कार्यवाही दो बार स्थगित करनी पड़ी। विधेयक पारित होने के बाद विधानसभा अध्यक्ष सी पी जोशी ने कहा कि आज (बुधवार को) विधानसभा सत्र का अंतिम दिन है।

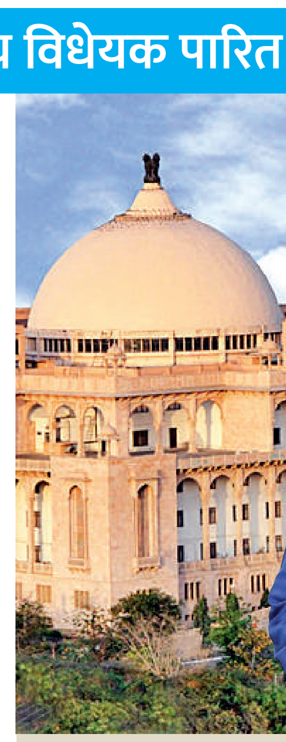

प्रश्नकाल से शुरू हुआ हंगामा

सुबह प्रश्नकाल के साथ सदन की कार्यवाही शुरू होते ही विपक्षी दल भाजपा ने अपने विधायक मदन दिलावर के निलंबन सहित अन्य मुद्दों को उठाना चाहा। कुछ नारेबाजी हुई, लेकिन विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सी पी जोशी ने उन्हें शून्यकाल के दौरान इस मुद्दे को उठाने की अनुमति देने का आश्वासन दिया, जिसके बाद सदन व्यवस्थित हुआ। शून्यकाल के दौरान नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ ने दिलावर के निलंबन का मुद्दा उठाया।

लगाया आरसीए चुनाव में भ्रष्टाचार का आरोप

गुढ़ा ने कथित "लाल डायरी" के तीन पन्ने बुधवार को सार्वजनिक किए। उन्होंने दावा किया कि इन पन्नों में कुछ कांग्रेस नेताओं के 'दो नंबर के लेन देन' का विवरण है। उन्होंने इनके हवाले से आरसीए के चुनाव में भ्रष्टाचार का आरोप भी लगाया। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने पिछले सप्ताह गुढ़ा के आरोपों को खारिज करते हुए कहा था कि ऐसी कोई 'लाल डायरी' मौजूद नहीं है और यह कपोल कल्पित है। गुढ़ा ने दावा किया था कि उन्होंने इसे साल 2020 में आयकर विभाग की छापेमारी के दौरान आरटीडीसी के अध्यक्ष धर्मेंद्र राठौड़ के आवास से गहलोत के निर्देश पर सुरक्षित निकाला था। उन्होंने आरोप लगाया कि तीन पन्नों में मुख्यमंत्री गहलोत के बेटे वैभव गहलोत और आरसीए सचिव भवानी समोता तथा अन्य के बीच वित्तीय लेन देन का विवरण है। वैभव गहलोत वर्तमान में आरसीए के अध्यक्ष हैं। गुढ़ा ने आरोप लगाया कि मैं तथ्यों के आधार पर बोल रहा हूं कि आरसीए चुनाव में वोट खरीदे गए। डायरी की लिखावट का मिलान अशोक गहलोत के करीबी राठौड़ की लिखावट से किया जा सकता है। डायरी के कुछ पन्ने गायब हैं, लेकिन जो पन्ने उनके पास हैं, उन्हें वह जारी करेंगे।

सरकार कर रही है मुझे ब्लैकमेल

जब गुढ़ा से सरकार को ब्लैकमेल करने की कोशिश के आरोप के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा कि मैं सरकार को नहीं, बल्कि सरकार मुझे ब्लैकमेल कर रही है। मुझ पर मामले दर्ज किए जा रहे हैं। कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी सुखजिंदर रंधावा द्वारा मुझे माफी मांगने को कहा जा रहा है। मुझ पर दबाव बनाया जा रहा है। इधर, संसदीय मंत्री धारीवाल ने कहा कि गुढ़ा को कांग्रेस से निकालने की तैयारी चल रही है। इसलिए वो दबाव बनाने के लिए ऐसा कर रहे हैं।

गहलोत की चिकित्सा क्षेत्र में सौगात

प्रदेश को 771 करोड़ की लागत के 249 चिकित्सा संस्थान देंगे मुख्यमंत्री

अंगदान महाभियान का भी करेंगे शुभारंभ

आज जिलों की अधिसूचना पर लगेगी मुहर!

बेधड़क | जयपुर

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत गुरुवार को शाम 5 बजे मुख्यमंत्री निवास से 220 करोड़ की लागत से बने 148 चिकित्सा संस्थानों का लोकार्पण और 551 करोड़ की लागत से बनने वाले 101 चिकित्सा संस्थानों का शिलान्यास करेंगे। इसके साथ मुख्यमंत्री ने गुरुवार को अपने निवास पर मंत्रिपरिषद और मंत्रिमंडल की बैठक बुलाई है। इस बैठक में नए जिलों के प्रारूप की अधिसूचना पर मुहर लग सकती है।

चिकित्सा विभाग की एसीएस शुभ्रा सिंह ने बताया कि विभाग के कार्यक्रम में मुख्यमंत्री 25 मोबाइल फूड टेस्टिंग लैब और 10 चिरंजीवी 104 जननी एक्सप्रेस एंबुलेंस को भी हरी झंडी दिखाकर विभिन्न जिलों के लिए रवाना करेंगे। मुख्यमंत्री 'अंगदान महाअभियान' का शुभारंभ भी करेंगे। कार्यक्रम में अंगदान के क्षेत्र में कार्य करने वाले डॉक्टर्स, अंगदाताओं भी सम्मानित किया जाएगा।

प्रधानमंत्री मोदी पर साधा निशाना

मुख्यमंत्री गहलोत ने बुधवार को गांधी दर्शन प्रशिक्षणार्थी सम्मेलन के समापन कार्यक्रम में वीसी के जरिए शामिल होते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी राजस्थान और छत्तीसगढ़ की राजनीति करने के लिए गांधी का नाम ले रहे हैं, यह उचित नहीं होगा। गांधी का नाम भी लो और राजनीति में अनुचित काम भी करो, वो ठीक नहीं है। पूरे देश अंदर ये चर्चा का विषय बन गया है कि प्रधानमंत्री का पद बड़ा ही गरिमामयी पद होता हैं। उनका सम्मान हर देशवासी को करना पड़ता है। यदि वो व्यक्ति भी कहे कि मणिपुर, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री को चाहिए कि वह अत्याचार और हिंसा हो रही है उनको रोकें तो यह स्थिति लोकतंत्र को खतरे में लाने जैसी है।

जम्मू-कश्मीर में लश्कर के दो आतंकी दबोचे

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के बारामूला जिले से सुरक्षा बलों ने बुधवार को लश्कर-ए-तैयबा के दो आतंकियों को गिरफ्तार किया है। एक गुप्त सूचना पर कार्रवाई करते हुए सुरक्षा बलों ने बारामूला शहर के आजादगंज में वाहनों की जांच शुरू की। पुलिस अधिकारी ने बताया कि दो संदिग्ध लोग पुलिस को देख भागने लगे। उनको पकड़ तलाशी ली तो उनसे एक पिस्तौल, एक मैगजीन, चार कारतूस और एक हथगोला बरामद हुए।

नूंह में सांप्रदायिक हिंसा

दंगे में अब तक छह मौत, 1,500 आरोपी... 41 एफआईआर, 116 गिरफ्तार

- सरकार सबको सुरक्षा नहीं दे सकती: CM खट्टर
- खट्टर ने मोनू मानेसर मामले में राजस्थान पुलिस को मदद देने की बात कही
- हरियाणा DGP ने कहा... दंगों में मोनू मानेसर की भूमिका की होगी जांच

एजेंसी | गुरुग्राम

नूंह में जलाभिषेक यात्रा के दौरान भड़की हिंसा की आग हरियाणा के कई शहरों में पहुंच गई है। हिंसा में छह लोगों की मौत हो गई है। नूंह में स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है।

नूंह में कर्फ्यू जारी है, जिसमें दो घंटे की ढील दी गई। आसपास के शहरों में धारा 144 लगाई गई है। हरियाणा के पलवल, सोहाना, मानेसर और पटौदी में इंटरनेट बंद है। हरियाणा में हिंसा को देखते हुए यूपी के 11 और राजस्थान के दो जिलों में अलर्ट किया गया है। इस बीच, हरियाणा के सीएम मनोहर लाल खट्टर का यह चौंकाने वाला बयान आया है कि सरकार सबको सुरक्षा नहीं दे सकती।

शांति की गारंटी कोई नहीं दे सकता: खट्टर

सीएम मनोहर लाल खट्टर ने बुधवार को यह बयान देकर चौंका दिया कि सरकार हर किसी को सुरक्षा नहीं दे सकती। वो लोगों से शांति बनाए रखने की अपील कर रहे थे, वे यह भी कह गए कि कोई इसकी (शांति की) गारंटी नहीं दे सकता, ना पुलिस, ना आर्मी। सीएम ने कहा, नूंह में एक आईआरबी बटालियन पूर्ण रूप से स्थापित की जाएगी। किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा, अभी तक 116 लोगों को गिरफ्तार किया गया, 90 लोग को हिरासत में लिया गया है।

मोनू मानेसर मामले पर यह बोले खट्टर: राजस्थान सरकार ने बजरंग दल के मोनू मानेसर के खिलाफ एफआईआर दर्ज की थी। हमने उनसे कहा है कि उसकी तलाश के लिए जो भी मदद की जरूरत होगी वह हम मुहैया कराएंगे। इधर, हरियाणा डीजीपी पी के अग्रवाल ने कहा कि साम्प्रदायिक हिंसा के मामलों की जांच के लिए एसआईटी का गठन किया जाएगा और इसमें बजरंग दल के सदस्य मोनू मानेसर की भूमिका की जांच की जा रही है।

हिंसा चिंताजनक: सीएम गहलोत

"मणिपुर के बाद अब हरियाणा में हो रही हिंसा पूरे देश के लिए चिंताजनक है। मैं सभी पक्षों से शांति बनाए रखने की अपील करता हूं। पुलिस-प्रशासन को सख्ती से कार्रवाई कर हिंसा रोककर शांति बहाली करनी चाहिए। पड़ोसी राज्य होने के कारण हमारा चिंतित होना स्वभाविक है। हमारे सीमावर्ती जिलों में राजस्थान के पुलिस-प्रशासन चौकस है एवं यहां पूर्णत: शांति है। प्रदेश में अशांति फैलाने के किसी भी प्रयास से सख्ती से निपटा जाएगा।"

राजस्थान के दो जिलों में धारा 144: नूंह में फैली हिंसा को देखते हुए भरतपुर जिले के चार इलाकों में गुरुवार सुबह तक नेटबंदी कर दी है। साथ ही अलवर के 10 और भरतपुर के 4 इलाकों में धारा 144 लागू की गई है। उधर, भिवाड़ी में पुलिस ने दुकानों में तोड़फोड़ के मामले में 19 लोगों के खिलाफ नामजद मामला दर्ज कर नौ लोगों को गिरफ्तार किया था।

जरूरी खबर

विहिप-बजरंग दल ने किया विरोध प्रदर्शन

अजमेर। हरियाणा के नूंह में हुई हिंसा के विरोध में अजमेर में विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल ने प्रदर्शन किया। बुधवार को गांधी भवन चौराहे पर कार्यकर्ता एकत्र हुए और नूंह में धार्मिक यात्रा पर हमला करने वाले असामाजिक तत्वों का पुतला जलाकर विरोध जताया। बजरंग दल के महामंत्री संजय तिवारी ने कहा कि नूंह में प्रशासन की अनुमति से शोभायात्रा निकाली जा रही थी। असामाजिक तत्वों ने हमला कर माहौल खराब किया है।

नाबालिग ने ताई और बहन पर की ताबड़तोड फायरिंग

नागौर। जिले के सिंधलास गांव में बुधवार को एक नाबालिग लड़के ने अपनी मां की हत्या का बदला लेने के लिए ताई और बहन पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। घटना में सीता देवी (ताई) को 4 गोलियां और सुषमा (बहन) को एक गोली लगी है। दोनों को कुचेरा सीएचसी में भर्ती करवाया गया, जहां से उन्हें जोधपुर रैफर किया गया। डिप्टी धन्ना राम ने बताया कि आपसी विवाद के चलते सीता और उसका परिवार जोधपुर शिफ्ट हो गया था। बुधवार को वह गांव आए हुए थे। नाबालिग के ताई और छोटी बहन पर फायरिंग करने से गोली पैरों में लगी है। बाद में आरोपी ढाणी में छुप गया, उसे डिटेन कर लिया गया है।

22 अगस्त को गंगासागर के लिए होगी ट्रेन रवाना

जोधपुर। देवस्थान विभाग की वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा योजना के अंतर्गत विशेष रेलगाड़ी भगत की कोठी (जोधपुर) से गंगासागर वाया जयपुर जंक्शन आगामी 22 अगस्त को सुबह 11 बजे भगत की कोठी से रवाना होगी। देवस्थान विभाग उदयपुर की आयुक्त प्रज्ञा केवलरमानी ने बताया कि यात्रा गाड़ी में जोधपुर स्टेशन से 415 यात्री और जयपुर जंक्शन रेलवे स्टेशन पर 370 यात्री सवार होंगे। कुल 785 यात्री पहुंचकर यात्री प्रक्रिया पूरी करेंगे। जोधपुर संभाग के यात्रियो को भगत की कोठी रेलवे स्टेशन पर प्रातः 7 बजे एवं जयपुर, दौसा व झुंझुंनू जिले के यात्रियों को जयपुर जंक्शन रेलवे स्टशेन पर दोपहर 12 बजे से रिपोर्ट करना है।

सृजन द स्पार्क द्वारा मेगा म्यूजिकल नाईट का आयोजन 6 अगस्त को, नए कलाकारों को मिलेगा मंच

सजेगी सुरों की महफिल, गायक विनोद राठौड़ देंगे प्रस्तुति

बेधड़क | कोटा

शहर में मेगा म्यूजिकल नाईट का आयोजन 6 अगस्त को सृजन द स्पार्क, कोटा चैप्टर के बैनर तले किया जाएगा। आयोजन के मुख्य सितारे पार्श्व गायक विनोद राठौड़ होंगे। बुधवार को आईजी पुलिस प्रसन्न कुमार खमेसरा ने कार्यक्रम के पोस्टर का विमोचन किया। विकास जैन अजमेरा ने बताया कि कार्यक्रम की तैयारियां जोरों पर चल रही है।

पोस्टर विमोचन में अध्यक्ष डा. विजय सरदाना, सचिव साकेत गोयल, उपाध्यक्ष दीपक राजवंशी व अमित बंसल, कोषाध्यक्ष विकास जैन अजमेरा, सहसचिव शिव शक्ति राजावत, चंद्र शेखर शर्मा, प्रज्ञा मेहता, कपिल जैन, ज्ञानचंद जैन, विवेक जैन, अनिश बिरला, उमेश गोयल सहित कई सदस्य उपस्थित रहे।

आई जी पुलिस प्रसन्न कुमार खमेसरा ने किया कार्यक्रम के पोस्टर का विमोचन

नई प्रतिभा को सामने लाना मकसद

सचिव साकेत गोयल ने बताया कि सृजन द स्पार्क का उद्देश्य स्वर साधना में लगे उपासकों को वैश्विक मंच उपलब्ध करना है। सृजन टीम देश विदेश में संगीत कार्यक्रम आयोजित कर नई प्रतिभा को आगे लाना का प्रयास करती है। सृजन द पार्क एक अंतरराष्ट्रीय संगीत और सांस्कृतिक संगठन है। जिसका मुख्यालय उदयपुर में है। देश के प्रसिद्ध और स्थापित कलाकार सृजन द स्पार्क के संरक्षक हैं। इनमें भजन सम्राट अनूप जलोटा, स्वर्गीय गजल वादक राजकुमार जी रिजवी, उस्ताद अहमद हुसैन एसबी, उस्ताद मोहम्मद हुसैन एसबी, बांसुरी वादक रोनू मजूमदार, प्रसिद्ध तालवादक, आनंददम शिवमणि और प्रसिद्ध कवि और तारक मेहता का उल्टा चश्मा फेम अभिनेता शैलेश लोढ़ा का नाम शामिल है।

मनमोहक गीतों की लगेगी झड़ी

अध्यक्ष डॉ. विजय सरदाना ने बताया कि कार्यक्रम में बॉलीवुड के संगीत सितारे विनोद राठौड़ अपनी सुरीली व मधुर आवाज में संगीत प्रेमियों को गीत सुनवायेंगे। उनका साथ अनिल श्रीवास्तव देंगे। नवोदित संगीत सितारों को भी मंच पर गाने का अवसर मिलेगा। उन्होंने बताया कि 6 अगस्त को यूआई ऑडिटोरियम में सायं 7 बजे कार्यक्रम प्रारंभ किया जाएगा। कार्यक्रम में लिमिटेड सीट है और एंट्री पास से कार्यक्रम में प्रवेश होगा।

म्यूजिकल मेगा नाईट व अवार्ड सेरेमनी

संयोजक विकास जैन अजमेरा ने बताया कि मेगा म्यूजिकल नाईट के साथ अवार्ड सेरेमनी का आयोजन भी किया जाएगा। इस अवसर पर सृजन कोटा चैप्टर द्वारा संगीत के महारथी विनोद राठौड़ को सृजन लाईट टाईम अवार्ड फॉर म्यूजिक और कोटा के संगीत गुरु महेश चंद शर्मा को एक्सीलेंट अवार्ड फॉर म्यूजिक से सम्मानित किया जाएगा।

कार के उड़े परखच्चे, पशु को बचाने के प्रयास में हुआ हादसा

ट्रक ने कार को मारी टक्कर, तीन युवकों की मौत, 1 युवती घायल

बेधड़क | करौली

जिले में मासलपुर थाना पुलिस इलाके के सरमथुरा मार्ग स्थित एनएच-23 मचानी गांव के पास एक तेज रफ्तार ट्रक ने कार को टक्कर मार दी। कार में सवार 2 बिजनेस पार्टनर सहित तीन युवकों की मौत हो गई, जबकि एक युवती घायल हो गई। टक्कर से कार के परखच्चे उड़ गए। करौली अस्पताल में मृतकों के शव का पोस्टमार्टम परिजनों को सुपुर्द कर दिया गया।

एएसआई हरि सिंह ने बताया कि सरमथुरा निवासी शफीक खान (32) पुत्र रफीक खान, छोटू उर्फ भोंगा (18) पुत्र सोहनलाल निवासी डोमई और अमित पुत्र भगवान सिंह निवासी रोहर मासलपुर और राजकुमारी (19) पुत्री नरेश, निवासी कसारा, मासलपुर (करौली) कार से करौली से सरमथुरा की ओर जा रहे थे। इस दौरान एनएच-11बी पर मचानी गांव के पास सरमथुरा की ओर से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने कार को टक्कर मार दी। हादसे में कार सवार तीनों युवक गंभीर घायल होने पर करौली अस्पताल लाया गया। जिन्हें मृत घोषित कर दिया गया।

बिजनेस पार्टनर थे मृतक

प्रत्यक्षदर्शियों का मानना है कि सड़क पर अचानक आए पशु को बचाने के प्रयास में दुर्घटना हुई। दुर्घटना कितनी खतरनाक थी कि इसका अंदाजा कार की हालत देखकर लगाया जा सकता है। मृतक शफीक खान और छोटू पार्टनरशिप में ट्रांसपोर्ट का बिजनेस करते थे। उन्होंने साझेदारी में एक ट्रक भी ले रखा था। बिजनेस के सिलसिले में ही करौली से सरमथुरा की ओर जा रहे थे। इस दौरान कार में छोटू का साला अमित भी उनके साथ जा रहा था। इसी दौरान यह हादसा हो गया।

ड्राइवर भाग छूटा, पुलिस तलाश रही

हादसे के बाद ड्राइवर मौका पाकर ट्रक को छोड़कर भाग छूटा। पुलिस ने ट्रक को मासलपुर थाने में खड़ा करवाया है। पुलिस ट्रक मालिक और ड्राइवर का पता लगाने का प्रयास कर रही है।

बाल्टी में डूबने से सवा साल के बच्चे की मौत

बेधड़क | पाली

जिले के धौला चौतरा क्षेत्र में पानी की बाल्टी में मुंह के बल गिरने पर सवा साल के बच्चे की मौत हो गई। हादसा उस वक्त हुआ जब परिवार के लोग दूसरे कमरे में बात कर रहे थे। बच्चा खेलता हुआ बाथरूम में गया और बाल्टी में मुंह के बल गिरकर डूब गया। काफी देर तक बच्चे की आवाज नहीं आने पर परिवार ने संभाला तो बाथरूम में बच्चा बाल्टी में डूबा पड़ा मिला।

परिजन उसे लेकर हॉस्पिटल लेकर पहुंचे। तब तक बच्चा दम तोड़ चुका था।

6 साल बाद हुआ था विदुर

बच्चे के नाना ओमप्रकाश प्रजापत ने बताया कि बेटी राधा की शादी अक्टूबर 2016 में नया गांव विष्णु कॉलोनी निवासी पेमाराम प्रजापत से की थी। शादी के बाद कई सालों तक बच्चा नहीं हुआ था। बेटी-दामाद ने मंदिरों में धोक लगाई और मन्नतें की थीं। करीब 6 साल बाद 2 मई 2022 को बेटे का जन्म हुआ। पूरा परिवार काफी खुश था। बच्चे का नाम विदूर रखा था। विदूर पूरे परिवार की आंखों का तारा बना हुआ था। दोनों परिवार को तोड़कर रख दिया है।

अधिकारियों ने ली घटना की जानकारी

मासूम की कुत्तों ने ली जान, प्रशासन को 4 दिन बाद पता लगा

बेधड़क | सिरोही

आबूरोड में 6 साल के मासूम को कुत्तों ने नोंच-नोंचकर मार डाला। आबूरोड सदर थाना क्षेत्र के क्यारिया गांव की घटना बताई जा रही है। मामला सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद अब सामने आया है। इसके बाद आनन-फानन में प्रशासन के अधिकारी पीड़ित परिवार से मिलने के लिए पहुंचे। अधिकारियों ने पीड़ित परिवार को हर संभव सहायता दिलाने का आश्वासन दिया है।

मामले के अनुसार क्यारिया गांव में 27 जुलाई की सुबह 6 साल के मासूम पर शौच जाते समय कुत्तों ने हमला किया। 5-6 आवारा कुत्तों ने बच्चे को घेरकर बुरी तरह नोंच डाला। इस घटना में झांमर निवासी अमृत गरासिया के इकलौते बेटे जसवंत की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद परिजनों ने सरपंच को इस बारे में सूचना दी। लेकिन, पुलिस व प्रशासन को सूचना नहीं दे पाए। चौंकाने वाली बात ये रही कि सरपंच ने भी पुलिस को सूचना देना उचित नहीं समझा। आखिर सरपंच ने इस मामले को क्यों दबाए रखा। फिलहाल, प्रशासन इसकी जांच में जुटा हुआ है।

पीड़ित परिजनों से मुलाकात के बाद बीडीओ नवलाराम ने बताया कि झांमर निवासी अमृत गरासिया पिछले काफी समय से अपने ससुराल क्यारिया में रहकर खेती-बाड़ी का काम करता था। वह अपने इकलौते बेटे और तीन बेटियों के साथ ससुराल में ही रहता था। सुबह जब उसका इकलौता बेटा जसवंत शौच के लिए गया था तो आवारा कुत्तों ने हमला कर बुरी तरह नोंच डाला। जिससे 6 साल के बच्चे की मौत हो गई। मामला सामने आने के बाद अब पुलिस ने परिजनों की रिपोर्ट पर मृग दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

नूंह में हुई हिंसा को लेकर आप ने हरियाणा सीएम पर बोला हमला

नफरत की सियासत करने वालों से प्रदेश की जनता का मोहभंग: पालीवाल

बेधड़क | कोटा

आम आदमी पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष नवीन पालीवाल ने नूंह में हुई हिंसा को लेकर हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि हरियाणा में बीजेपी को अपनी कुर्सी खिसकती नजर आ रही है, इसलिए ऐसी हिंसा के जरिए लोगों को बांटने का प्रयास किया जा रहा है।

पालीवाल ने कहा कि देश और हरियाणा की जनता आपसी भाईचारे और शांति के खिलाफ काम करने वालों और उनको

संरक्षण देने वालों को आगामी चुनाव में करारा जवाब भी देगी। उन्होंने कहा कि जैसे-जैसे चुनाव नजदीक आ रहे हैं वैसे-वैसे देश के अलग-अलग राज्यों में हिंसात्मक प्रयोग शुरू कर दिए गए हैं, ताकि लोगों को बांटकर चुनावी फायदा उठाया जा सके।

पहले बीजेपी शासित मणिपुर तीन महीने से जलता रहा और राज्य सरकार कानून व्यवस्था बनाए रखने में नाकाम साबित हुई। इसके चलते कई लोगों को अपनी जान भी गंवानी पड़ी। वहीं अब हरियाणा के नूंह में हिंसा को लेकर राज्य सरकार ने भी माना है कि ये हिंसा अचानक नहीं हुई है। गृह मंत्री अनिल विज भी ये बात मान रहे हैं कि गृह विभाग के पास घटना को लेकर इनपुट नहीं था। इससे ये साफ हो जाता है कि सरकार का खुफिया तंत्र कमजोर है।

अगर सरकार कानून व्यवस्था को मेंटेन नहीं कर सकती तो सीएम मनोहर लाल और गृह मंत्री अनिल विज को अपने पद से इस्तीफा दे देना चाहिए। नवीन पालीवाल ने कहा कि बीजेपी ने कभी जनहित में काम नहीं किया। हमेशा फूट डालो राज करो की नीति पर काम किया है।

डॉक्टरों का मानना क्रोमोसोम की गड़बड़ी से आते हैं ऐसे केस

अद्भुत बच्चे ने लिया जन्म, देखने उमड़ी भीड़, 20 मिनट बाद मौत

बेधड़क | दौसा

दौसा जिले से एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। जहां जिला अस्पताल में 31 जुलाई की रात गणेशजी जैसी शक्ल वाले एक बच्चे ने जन्म लिया। इस बच्चे को देख वहां मौजूद हर किसी के पैरों तले जमीन खिसक गई।

इधर अस्पताल में ऐसे बच्चे के पैदा होने की खबर फैलते ही वहां पर आस पास के लोग जुटने लगे। जहां हर कोई उसकी एक झलक पाना चाहता था। हालांकि दुःखद खबर यह भी रही कि बच्चे के जन्म के महज 20 मिनट के

बाद ही उसकी सांसों की डोर टूट गई। मीडिया रिपोर्ट में बताया गया कि प्रसूता ने रात करीब 9:30 बजे भगवान गणेश की तरह एक बच्चे् को जन्म दिया। इसके एक सूंड व गले तक कान लटक रहे थे। मौजूद लोगों का कहना है कि बच्चा एकदम भगवान गणेश की तरह दिखाई दे रहा था।

महिलाओं को गर्भ के समय टेस्ट करवाना चाहिए

दौसा में जिला अस्पताल के प्रमुख चिकित्सा अधिकारी शिवराम मीणा ने कहा कि कई बार जेनेटिक या क्रोमोसोम में गड़बड़ी के चलते ऐसे बच्चे पैदा हो जाते हैं। किसी भी महिला को गर्भधारण करने के बाद समय पर पूरी जांच व क्रोमोसोम टेस्ट करवाना चाहिए

नगर विकास न्यास को प्राधिकरण बनाए जाने पर जताया विरोध

कोटा विकास प्राधिकरण बिल संपत्तियों को हड़पने का षड़यंत्र: भरत सिंह

बेधड़क | कोटा

विधानसभा में पारित नगर विकास न्यास कोटा को कोटा विकास प्राधिकरण बनाए जाने के बिल को लेकर कोटा में कांग्रेस के विधायक जहां जबरदस्त विरोध कर रहे हैं। वहीं भाजपा नेताओं ने भी केडीए विधेयक के खिलाफ लामबंद होना शुरू कर दिया है।

बुधवार को कोटा विकास प्राधिकरण (केडीए) के गठन के मामले में कांग्रेस के सांगोद विधायक भरत सिंह कुंदनपुर ने तीखे तेवर दिखाए हैं। उन्होंने इस मामले में राज्यपाल के नाम संभागीय आयुक्त को ज्ञापन सौंपा। बड़े विरोध प्रदर्शन की आशंका के चलते डिविजनल कमिश्नर कार्यालय के बाहर पुलिस बल तैनात किया था, लेकिन भरत सिंह अपने कुछ समर्थकों के साथ ही वहां ज्ञापन देने पहुंचे।

इस दौरान मीडिया से बातचीत में विधायक भरत सिंह ने कहा कि केडीए के गठन की मुख्यमंत्री की बजट घोषणा को क्रियान्वित किया गया, मेरा विरोध इस बात को लेकर नहीं है। मेरा विरोध इस बात पर है कि जिन भी लोगों ने यह बिल तैयार किया, बड़े गोपनीय तरीके से तैयार किया।

मैं कांग्रेस विधायक हूं, मेरे विधानसभा क्षेत्र के दस गांवों को केडीए में शामिल किया, लेकिन मुझसे कोई राय नहीं ली गई। इसी तरह अन्य विधानसभा क्षेत्रों के

इलाके जोड़े, उनसे भी नहीं पूछा गया। मैंने इस बिल का अध्ययन किया है, यह बहुत खतरनाक बिल है। इस बिल को तैयार करने में प्रॉपर्टी बिजनेस से जुड़े लोग, जिनमें राजनेता भी हैं, उनका बहुत बड़ा योगदान रहा है। जबकि जिन लोगों का वास्तव में इसमें योगदान होना चाहिए, उनसे तो कोई राय नहीं ली गई। जो गांव जोड़े गए हैं, उन गांवों के जनप्रतिनिधियों, प्रधान, जिला प्रमुख, विधायकों से चर्चा ही नहीं की गई। ये गलत हुआ है। बिल को विधानसभा में भी शोर-शराबे के बीच पारित कर दिया गया।

जब तक दम में दम तब तक करूंगा विरोध

विधायक भरत सिंह ने कहा कि कोटा विकास प्राधिकरण बिल संपत्तियों को हड़पने का बहुत बड़ा षड्यंत्र है। इस भ्रष्टाचार के खेल में सभी दलों के लोग शामिल हैं। मेरी प्रतिबद्धता है कि अंतिम दम तक इस बिल को वापस लेने के लिए संघर्ष करूंगा। किसान प्रतिनिधियों का दायित्व है कि कोटा शहर एवं गांव के लोगों को इस काले कानून की असलियत समझाएं और जन आंदोलन खड़ा करें। भरत सिंह ने कहा कि जिस प्रकार पीपल्दा के विधायक रामनारायण मीणा ने इस पर विरोध जताया है अन्य जनप्रतिनिधियों को भी विरोध जताना चाहिए। मैंने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से व्यक्तिगत मिलकर कह दिया है कि इस विधेयक का मसौदा भू-माफियाओं ने तैयार किया है। उन्होंने बिल की कॉपी लोगों को बताते हुए कहा कि विधानसभा में इस काले कानून पर 1 मिनट भी चर्चा नहीं हुई और इसे पास कर दिया गया।। विधायक भरत सिंह ने कहा कि इस काले कानून के कारण तालाब, पहाड़, नदियां, खेत-खलियान सब समाप्त कर दिए जाएंगे।

नहीं देंगे एक इंच भी जमीन: राजावत

राज्य सरकार द्वारा कोटा विकास प्राधिकरण विधेयक 2023 पारित कर कोटा व बूंदी के कुल 292 गांवों को प्राधिकरण में शामिल करने की अधिसूचना जारी की गई है, इस पर रोष व्यक्त करते हुए पूर्व विधायक भवानी सिंह राजावत ने कहा है कि इसमें लाडपुरा के 212 गांवों को भी सम्मिलित किया गया है, लेकिन हम इन गांवों की एक इंच जमीन भी प्राधिकरण में नहीं जाने देंगे, क्योंकि कांग्रेस ने अपने पूर्ववर्ती कार्यकाल में लाडपुरा के गांवों की 10 हजार बीघा सिवाय चक जमीन अपने खाते में दर्ज करवा ली थी और इन गांवों में किसानों के बाड़ों, चौपालों और सार्वजनिक उपयोग की जमीन का स्वामित्व न्यास के पास आने से ग्राम पंचायतें विकास करवाने में असमर्थ हो गई और गांवों का मूल स्वरूप भी बिगड़ गया। अब सरकार केडीए बिल लाकर बचे हुए गांवों की भी दुर्दशा करने पर तुली हुई है। इसे किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जा सकता।

जरूरी खबर

कर्मचारियों ने प्रदेश भर में किया प्रदर्शन

जयपुर। प्रदेश के राज्य कर्मचारियों की कई मांगो को लेकर बुधवार को अखिल राजस्थान राज्य कर्मचारी संयुक्त महासंघ (एकीकृत) के बैनर तले कलेक्ट्रेट सर्कल पर प्रदर्शन किया। महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष गजेंद्र सिंह राठौड़ ने बताया कि सरकार अपने चुनावी वादों को शीघ्र पूरा करे। मांगें पूरा नहीं करने पर आने वाले विधानसभा चुनाव में सरकार को इसका बहुत बड़ा खमियाजा भुगतना पड़ेगा। उन्होंने बताया कि महासंघ के आह्वान पर 11 अगस्त को आक्रोश रैली निकाली जाएगी। इस दौरान छोटे लाल मीणा, भंवर सिंह धीरावत, कुलदीप यादव, राजेश पारीक, अमरजीत सिंह सैनी, रामनरेश जाटवा, पुष्पेंद्र सिंह, मोहनलाल शर्मा सहित सैकड़ों कर्मचारी वहां पर मौजूद रहे।

13 साल की नाबालिग ने दिया बच्चे को जन्म

जयपुर। राजधानी के जनाना अस्पताल में बुधवार को 13 वर्षीय नाबालिग ने एक बच्चे को जन्म दिया। चिकित्सकों के अनुसार बच्ची करीब आठ माह से गर्भवती थी। प्रसव के बाद नाबालिग बालिका स्वस्थ है, लेकिन जन्मे बच्चे की स्थिति गंभीर होने से वेंटिलेटर पर लिया गया है। ड्यूटी पर तैनात कर्मचारी ने बताया कि नाबालिक लड़की को परिजन प्रसव के लिए बुधवार देर रात को लेकर आए थे। मामला नाबालिग का होने के कारण अस्पताल स्टाफ ने परिजनों के बताए अनुसार ज्योति नगर पुलिस थाने में सूचना दी, हालांकि बालिका को भर्ती कर लिया गया था। करीब रात 2 बजे नाबालिग बालिका ने 1200 ग्राम वजनी बच्चे को जन्म दिया है। जन्म के बाद से हालात गंभीर होने के कारण बच्चे को वेंटीलेटर पर रखा गया है।

सच बेधड़क
दैनिक हिन्दी अख़बार
आपके दिल की बात अब आपके अखबार के माध्यम से...
अख़बार में प्रकाशन के लिए ख़बर, विज्ञप्ति, कार्यक्रम की सूचना आलेख एवं अपनी मौलिक रचनाएं
news@sachbedhadak.com
पर E- Mail करें ।

पैसा अटका तो राज्य सरकार ने पीछे खींचे हाथ, आठ प्रोजेक्ट अटके

केंद्र दे 250 करोड़ तो पूरा 'स्मार्ट' बने 'सिटी'

सांसद रामचरण बोहरा बोले पहले काम पूरा करें, केन्द्र का पैसा मैं लेकर आऊंगा

नरेंद्र चतुर्वेदी | बेधड़क

जयपुर। जयपुर शहर को स्मार्ट बनाने का काम पैसा खत्म होने की वजह से अटक गया है। केन्द्र सरकार से 250 करोड़ नहीं आने की वजह से जनता के लिए उपयोगी आठ बड़े प्रोजेक्ट में काम रुक गया है।

हालांकि, स्मार्ट सिटी के अधिकारियों का दावा है कि जो पैसा अभी विभाग के पास है, उससे भी कई प्रोजक्ट को पूरा किया जा रहा है, लेकिन बाकी आठ प्रोजेक्ट पैसा आने के बाद ही पूरा किया जाएगा। वहीं, राज्य सरकार भी पैसे देने के मामले में पीछे खिसक गई है, ऐसे में अब स्मार्ट सिटी के अधिकारियों की आस केन्द्र सरकार से ही है।

चौगान स्टेडियम का स्पोर्टस कॉम्पलेक्स

8 प्रोजेक्ट के लिए करना होगा इंतजार

1. रामनिवास अंडरग्राउंड पार्किंग प्रोजेक्ट-83.85 करोड़ रुपए (दिसंबर-2023 डेडलाइन)
2. पंडित दीनदयाल उपाध्याय अस्पताल गणगौरी बाजार का काम-44.61 करोड़ रुपए
3. अभय कमांड सेंटर एंड कंट्रोल सेंटर के अपग्रेडेशन का काम-35 करोड़ रुपए
4. निगम हेरिटेज में दो सोलिड वेस्ट ट्रांसफर स्टेशन का काम 100 MT -13.14 करोड़ रुपए
5. काले हनुमानजी मंदिर से कंवर नगर सामुदायिक केंद्र तक ड्रेनेज का काम- 2.07 करोड़ रुपए
6. लांगड़ियावास में मेटेरियल रिकवरी फेसिलिटी का प्लांट-10 करोड़ रुपए लागत
7. किशनपोल बाजार में गर्वेमेंट गर्ल्स कॉलेज का काम- 8.46 करोड़ रुपए
8. गुलाबी नगरी के फेमस पर्यटक स्थल जलमहल की पाल पर साइकिल ट्रैक का काम- 53 लाख रुपए

इसलिए अटक रहा है पैसा

साल 2015 में केन्द्र सरकार ने अपने एतिहासिक वैभव के लिए सारी दुनिया में प्रसिद्ध गुलाबी नगरी को भी स्मार्ट बनाने के लिए 20 शहरों में प्राथमिकता से स्थान दिया। उस समय प्रदेश में भाजपा सरकार थी। इसलिए केन्द्र और राज्य सरकार के बीच तालमेल सही बैठ गया था। 2018 में सरकार के बदलते ही गहलोत सरकार ने स्मार्ट सिटी बनाने के प्रोजेक्ट अपने हाथ में ले लिए। हालांकि, शुरुआत में तो स्मार्ट सिटी से जुड़े अधिकारियों के प्रयास से प्रोजेक्टों पर काम सही चलता रहा, लेकिन मध्य में स्मार्ट सिटी में ठेकेदारों की लापरवाही से कई बड़े प्रोजेक्ट नियत समय पर पूरे नहीं हो पाएं। इसके बारे में जयपुर सांसद रामचरण बोहरा ने कई बार मीटिंग में सरकार पर स्मार्ट सिटी का पैसा बर्बाद करने का आरोप लगाते हुए अधिकारियों पर ठीक से काम नहीं करने का आरोप लगाया था। अब पैसा नहीं आने के कारण स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट की अवधि पूरी होने के बाद इन प्रोजेक्ट का भविष्य अधर में झूल गया है। एक हजार के प्रोजेक्ट को लेकर शुरू हुआ मिशन स्मार्ट सिटी में वर्तमान में करीब 250 करोड़ के प्रोजेक्ट अधूरे पड़े हुए हैं।

पौंडरीक पार्क में पार्किंग पर विवाद

राजनीतिक दबाव के चलते स्मार्ट सिटी ने भूमिगत पार्किंग का काम शुरू किया। क्षेत्रवासियों ने विरोध किया, बाद में मामला कोर्ट तक पहुंचा। फिलहाल पार्किंग का काम बंद है। कोर्ट के आदेश से पहले पार्क में कई पेड़ काटे जा चुके थे।

बने हुए प्रोजेक्ट का नहीं मिल रहा फायदा

जयपुर स्मार्ट सिटी मिशन के काम-काज के पीछे भले ही एक बेहतर सोच रही हो, लेकिन अभी तक हुए काम काज ने जनता को कोई बहुत सहुलियत नहीं दी है। करोड़ों खर्च करने के बाद भी परकोटे के बाजार आज भी अतिक्रमण की भेंट चढ़े हुए हैं। शहर का ड्रेनेज सिस्टम भी दुरुस्त नहीं हो सका है। फसाड के काम की क्वालिटी भी खराब दिखाई देने लगी है। स्मार्ट टॉयलेट खराब हैं तो पौंडरीक पार्क पार्किंग का काम आगे नहीं बढा है। अब इन कार्यो को लेकर प्रशासन के सामने चुनौती खड़ी दिखाई देती है।

गणगौरी अस्पताल

स्मार्ट सिटी के 133 प्रोजक्ट में से 100 तैयार

स्मार्ट सिटी मिशन के अंतर्गत योजनाओं का पूरा करने की अवधि जून महीने तक ही थी। स्मार्ट सिटी के अधिकारियों के अनुसार वर्तमान में 133 प्रोजेक्ट में से 100 प्रोजेक्ट पूरे हो गए हैं, शेष 33 में से 20 के करीब प्रोजेक्ट जुलाई अंत तक पूरे होन के आसार है। इन अधूरे कार्यों को पूरा करने के लिए समय सीमा जून-2024 तक तो कर दी गई है, लेकिन बारिश के महीने में और केन्द्र सरकार की ओर से पैसा नहीं आने से प्रोजेक्ट पूरे तय समय में हो जाएंगे। इसे लेकर संशय ही बना हुआ है। चुनावी साल होने से सरकार भी चाहती है कि आचार संहिता लगने से पहले कई बड़े प्रोजेक्ट पूरे हो जाएं, जिससे कि यह प्रोजेक्ट आमजन को समर्पित कर दिए जाएं और चुनावों में इसका फायदा सत्ता पक्ष को मिले।

दोबारा रिव्यू किए जाने की जरूरत

बहरहाल, जयपुर शहर को स्मार्ट सिटी बनाने के मकसद से शुरू हुए इस मिशन में अब तक बेहद सुस्त रफ्तार रही है। योजना के तहत होने वाले कार्यों को लेकर विशेषज्ञों से भी राय नहीं ली गई, जबकि विरासत प्रभाव आंकलन से कई हेरिटेज विरासतों के निर्माण में सही राय मिलने पर उनका दुबारा निर्माण सहीं तरीके से होता। इसी के साथ ही जिन योजनाओं में क्वालिटी को लेकर शिकायतें भी रही हैं, उनका भी दोबारा रिव्यू किए जाने की जरूरत है।

" वैसे तो ज्यादातर प्रोजेक्ट पूरे हो चले हैं, लेकिन कुछ अंशदान राज्य और केन्द्र सरकार के साथ नगर निगमों का भी आना बाकी है। इनमें जयपुर के निगमों का 20 करोड़ रुपए अंशदान का बकाया चल रहा है। इस स्वीकृति के साथ आगे काम बढ़ाया जाएगा।

राजेन्द्र सिंह शेखावत,
जयपुर स्मार्ट सिटी सीइओ

" राज्य सरकार ने स्मार्ट सिटी के प्रोजेक्ट पर मनमानी कर रही है। किसी भी अधिकारी को लगातार टिकने नहीं दे रही है। पहले के कामों का रिव्यू कराया नहीं। ये पहले काम पूरा करें, केन्द्र का पैसा मैं लेकर आऊंगा।

राम चरण बोहरा,
सांसद जयपुर

नूंह में आगजनी के विरोध में विहिप और बजरंग दल का प्रदर्शन

मेवात बन रहा मिनी पाकिस्तान दोषियों को दी जाए कड़ी सजा

बेधड़क | जयपुर

हरियाणा के नूंह में बृजमंडल यात्रा के दौरान हमले के बाद तीन जिलों में हुई हिंसा और आगजनी के विरोध में राजधानी में भी बुधवार को विरोध प्रदर्शन किया गया।

इस दौरान विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल ने शहर में पांच जगहों पिंजरापोल गौशाला टोंक रोड, त्रिवेणी नगर चौराहा टोंक रोड, भवानी निकेतन कॉलेज, सीकर रोड, ट्रांसपोर्ट नगर चौराहा, गुर्जर की थड़ी चौराहा पर आक्रोश रैली निकाली और पुतला जलाकर विरोध प्रदर्शन किया।

इस दौरान भारी पुलिस बल भी तैनात रहा। विहिप और बजरंग दल के सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी की और दोषियों को कड़ी सजा देने की मांग की। प्रदर्शन की अगुवाई कर रहे बजरंग दल जयपुर महानगर संयोजक सुमित खंडेलवाल ने कहा कि जिस तरह से हरियाणा के नूंह जिले में शांति से निकल रही ब्रजमण्डल यात्रा में सैकडों निहत्थे लोगों पर हमला किया गया, इससे प्रतीत होता है कि हमला षड्यंत्र बनाकर किया गया है। सरकार को जल्द कार्रवाई कर दोषियों को पकड़ कड़ी सजा दिलानी चाहिए।

फोटो: राजेश कुमावत

पुलिस को सख्त कार्रवाई के निर्देश दे सरकार

बजरंगदल जयपुर प्रांत के सहसंयोजक राकेश कुमार ने कहा कि मेवात के नूंह में हिन्दुओं के आस्था और श्रद्धा के केन्द्र पाण्डवकालीन प्राचीन नल्लहडं शिव मन्दिर की धार्मिक यात्रा पर हुई हिंसा हिन्दूओं के प्रति नफरत को दर्शाती है। मेवात मिनी पाकिस्तान बन गया है। मेवात क्षेत्र में हिंदू समाज पर सुनियोजित तरीके से हमला किया गया है। मेवात हिंसा में अभी भी चार हिंदू भाई लापता हैं। बजरंग दल के अभिषेक समेत कुल तीन कार्यकर्ता की हत्या की गई है। दो कार्यकर्ता को जला दिया और एक के 16 टुकड़े कर दिए। सरकार पुलिस को सख्त कार्रवाई निर्देश दे।

आनंद श्रीवास्तव की भावुक विदाई

जवानों के साथ खिंचवाई फोटो

बेधड़क | जयपुर

जयपुर कमिश्नरेट में 4 साल 8 महीने तक कमिश्नर रहे आनंद श्रीवास्तव ने बुधवार को जयपुर पुलिस लाइन में संपर्क सभा ली। संपर्क सभा में एडिशनल कमिश्नर प्रथम कैलाश बिश्नोई ने स्वागत भाषण किया।

उसके बाद कमिश्नर आनंद श्रीवास्तव ने पुलिस लाइन में काम करने वाले कुक, धोबी, मोची व सफाई कर्मियों को सम्मानित किया और जवानों के साथ नीचे बैठकर फोटो खिंचवाई। इसके साथ ही नीट व जेईई में चयनीय हुए पुलिसकर्मियों के बच्चे और सब इंस्पेक्टर पद के लिए चयनित हुए जवानों को सम्मानित करते हुए पढ़ाई कर आगे बढ़ते रहने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि जयपुर पुलिस के लिए सायबर क्राइम और ऑर्गेनाइज्ड क्राइम चुनौती रहेगा। उसके बाद जैसे ही विदाई दी तो वे जवान व अन्य अधिकारियों के साथ वह खुद भी भावुक हो गए। इस कार्यक्रम में एडिशनल कमिश्नर राहुल प्रकाश, कैलाश बिश्नोई, राष्ट्रदीप, डीसीपी राशि डोगरा डूडी, प्रहलाद कृष्णिया, योगेश गोयल व ज्ञानचंद के साथ-साथ सभी एडिशनल डीसीपी, एसीपी व इंस्पेक्टर मौजूद रहे।

गौरतलब है कि आनंद श्रीवास्तव 22 दिसंबर 2018 से 31 जुलाई तक सबसे लंबे समय तक जयपुर कमिश्नर रहे हैं। अब सरकार ने उन्हें एडीजी कानून-व्यवस्था की जिम्मेदारी दी है। सभा में कमिश्नरेट ऑफिस, पुलिस लाइन, कमिश्नरेट के प्रत्येक पुलिस थाने से एसएचओ व 5-5 जवान, एसीपी, एडिशनल डीसीपी, डीसीपी व तीनों एडिशनल कमिश्नर शामिल हुए

सचिवालय घेराव पर हाई कोर्ट का स्वप्रेरित प्रसंज्ञान

क्या राजनीतिक पार्टियों के दवाब में काम कर रही है पुलिस

बेधड़क | जयपुर

भाजपा के 'नहीं सहेगा राजस्थान' अभियान के तहत मंगलवार को हुई सभा और सचिवालय घेराव प्रदर्शन के दौरान हुए यातायात जाम और शहर में हुई अव्यवस्थाओं को लेकर बुधवार को हाई कोर्ट ने पूरे मामलें में स्वप्रेरित प्रसंज्ञान लेते हुए नाराजगी जताई।

हाईकोर्ट ने मामले में स्वप्रेरणा से प्रसंज्ञान लेते हुए तत्काल पुलिस के आलाधिकारियों को तलब किया। जस्टिस समीर जैन की अदालत ने पूरे मामले में स्वप्रेरित प्रसंज्ञान लेते हुए कहा कि क्यों ना अदालती आदेश की अवमानना करने पर रैली की अनुमति देने वाले अधिकारियों पर एफआईआर दर्ज करवाई जाए। हाईकोर्ट में सुनवाई के दौरान जयपुर पुलिस कमिश्नरेट के आला अधिकारी मौजूद रहे।

अदालत ने मामले की सुनवाई गुरुवार को तय की है। एक बार फिर राजस्थान हाईकोर्ट इस मामले में सुनवाई करेगा।

रैली निकालने की अनुमति कैसे दी

सुनवाई के दौरान अदालती आदेश की पालना में अतिरिक्त पुलिस आयुक्त राहुल प्रकाश, डीसीपी यातायात प्रहलाद कृष्णिया, डीसीपी दक्षिण योगेश गोयल और आईपीएस कुंवर राष्ट्रदीप कोर्ट में पेश हुए। कोर्ट ने पूछा कि वह राजनीतिक पार्टियों के दबाव में काम कर रहे हैं। यदि ऐसा नहीं है तो बीच शहर रैली निकालने की अनुमति क्यों दी गई? वहीं डीसीपी साउथ योगेश गोयल से सवाल पूछा कि वह यह बताए कि क्या सरदार पटेल मार्ग पर रैली निकालने की अनुमति है? इस पर जैसे ही गोयल ने कोर्ट को मना किया तो कोर्ट ने कहा कि आपके अनुमति पत्र की शर्त में लिखा है कि रैली के दौरान आम रास्ता जाम नहीं होना चाहिए, क्या आपको पता नहीं था कि इस तरह की रैलियों के लिए यह असंभव बात है।

आम रास्ते पर जाम नहीं लगाने को कह रखा है

सरकार की ओर से पैरवी करते हुए अतिरिक्त महाधिवक्ता मेजर आरपी सिंह ने कहा कि हमने साल 2018 के जस्टिस एमएन भंडारी के जजमेंट के आधार पर ही रैली की अनुमति दी थी। हाईकोर्ट ने जनपथ पर रैली के लिए रोक लगा रखी है। इस पर कोर्ट ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने आम रास्ते पर जाम नहीं लगाने को कह रखा है। कोर्ट महाधिवक्ता के तर्क से संतुष्ट नहीं हुआ और कोर्ट ने सरकार को गुरुवार सुबह इस मामलें में जवाब पेश करने का समय दिया है।

दिनभर रेंग-रेंगकर चलता रहा यातायात

गौरतलब है कि मंगलवार को प्रदेशभर से भाजपा पदाधिकारी व कार्यकर्ता प्रदर्शन में जुटे थे। इसको लेकर यातायात पुलिस ने सामांतर मार्गों पर और पार्किंग को लेकर व्यवस्था की थी, लेकिन यह व्यवस्था फेल हो गई। इसका नतीजा यह रहा कि शहरवासी दिनभर जाम से फंसे रहे। मुख्य मार्गों को छोड़ वाहन चालक गलियों में घुसे तो वहां भी वाहनों की लंबी कतार लग गई। सामांतर मार्गों पर पर भी यातायात रेंग-रेंगकर चलता रहा। शहर में जाम की स्थिति बन गई थी। जाम में वाहन चालकों के साथ-साथ स्कूली बच्चें भी फंस गए थे।

पांच अवैध कॉम्पलेक्स किए हुए हैं सील

दुकानों से व्यापारियों ने निकाला सामान

बेधड़क | जयपुर

शास्त्री नगर स्थित इंद्रा वर्मा कॉलोनी में सीज हुए पांच अवैध कॉम्पलेक्स की दुकानों को व्यापारियों ने बुधवार को खाली कर दिया। इस दौरान हेरिटेज निगम के अधिकारी और सतर्कता दस्ता मौजूद रहा। मौके पर मौजूद अधिकारियों ने बताया कि जिन पांच अवैध इमारतों को सीज किया गया है, उनमें करीब 70 दुकानें चल रही थीं। सीज करने के बाद व्यापारियों ने निगम से अपना सामान दुकानों से निकलवाने के लिए प्रार्थना पत्र दिया था। इस पर बुधवार को निगम ने उन्हें समय देकर सामान निकलवाया।

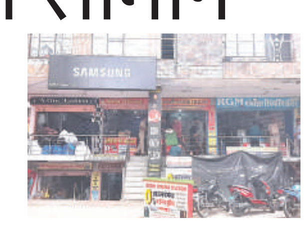

हालांकि, इस दौरान बड़ी संख्या में लोग एकत्र हो गए और निगम की कार्रवाई का विरोध भी करने लगे। लोगों का कहना था कि कॉप्लेक्स बनाने वाले के खिलाफ तो कोई कार्रवाई नहीं हुई, लेकिन जिन व्यापारियों ने मोटे दामों में दुकानें खरीदी हैं, उनका व्यापार चौपट हो गया। निगम दस्ते के अधिकारियों ने बताया कि निर्माणकर्ता ने अवैध कॉम्प्लेक्स बना लिए थे।

उच्च शिक्षा संस्थानों में आत्महत्याएं

शिक्षा संस्थानों में उम्मीदों की मौत

प्रमोद भार्गव
वरिष्ठ पत्रकार

इसे उच्च शिक्षा संस्थानों की विडंबना ही कहा जाएगा कि इनमें बड़ी संख्या में छात्र बीच में पढ़ाई तो छोड़ ही रहे हैं, आत्महत्या भी कर रहे हैं। केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री सुभाष सरकार ने राज्यसभा में पूछे गए प्रश्नों के लिखित उत्तर में कहा है कि 2019 से लेकर अभी तक यानी 2023 तक 32,000 छात्र उच्च शिक्षण संस्थानों में ड्रॉप आउट हुए हैं। वहीं इन्हीं पांच वर्षों में इन संस्थानों में पढ़ने वाले 98 छात्रों ने आत्महत्याएं की हैं। 2023 में ही अब तक आत्महत्या की 20 घटनाएं घट चुकी हैं। इनमें देशभर के केंद्रीय विश्वविद्यालय, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, भारतीय प्रबंधन संस्थान और राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी जैसे उच्च कोटि के शिक्षा संस्थान शामिल हैं। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय द्वारा उपलब्ध कराए गए इन खौफनाक आंकड़ों से पता चलता है कि शिक्षा संस्थान विद्यार्थियों में उम्मीदों की उड़ान पैदा करने की बजाय निराशा और अवसाद का भी माहौल रच रहे हैं। तीन साल पहले लागू हुई राष्ट्रीय शिक्षा नीति का उत्साहजनक असर इन संस्थानों में पड़ा हो, ऐसा एकाएक कहना मुश्किल है?

“पांच वर्षों में इन संस्थानों में पढ़ने वाले 98 छात्रों ने आत्महत्याएं की हैं। 2023 में ही अब तक आत्महत्या की 20 घटनाएं घट चुकी हैं। इनमें देशभर के केंद्रीय विश्वविद्यालय, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, भारतीय प्रबंधन संस्थान और राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी जैसे उच्च कोटि के शिक्षा संस्थान शामिल हैं। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय द्वारा उपलब्ध कराए गए इन खौफनाक आंकड़ों से पता चलता है कि शिक्षा संस्थान विद्यार्थियों में उम्मीदों की उड़ान पैदा करने की बजाय निराशा और अवसाद का भी माहौल रच रहे हैं। तीन साल पहले लागू हुई राष्ट्रीय शिक्षा नीति का उत्साहजनक असर इन संस्थानों में पड़ा हो, ऐसा एकाएक कहना मुश्किल है?”

देश में प्राथमिक शिक्षा से लेकर उच्च व तकनीकी शिक्षा तक शिक्षण पद्धति को लेकर अजीब भ्रम, विरोधाभास व दुविधा की स्थिति बनी हुई है। नतीजतन इनसे उबरने के अब तक जितने भी उपाय सोचे गए, वे शिक्षा के निजीकरण और अंग्रेजीकरण पर जाकर सिमटते रहे हैं। हालांकि नई शिक्षा नीति में सुधार के अनेक उपाय किए गए हैं, लेकिन उनके बीते तीन सालों में अनुकूल परिणाम नहीं निकले।

21वीं सदी को ज्ञान की सदी की संज्ञा दी गई है। ज्ञान परंपरा और मातृभाषाओं में शिक्षा दिए जाने की बात भी खूब जोर-शोर से उठी है। शिक्षा की पूंजी से गरीब और वंचित के लिए उच्च पद, बड़ा उद्योगपति और विश्वस्तरीय तकनीकिशियन (टेक्नोक्रेट) बनने के रास्ते भी खुले है। बावजूद शिक्षा संस्थाओं से पलायन और आत्महत्या के मामले सामने आ रहे हैं तो यह चिंतनीय पहलू है। क्योंकि शिक्षा के जरिए विद्यार्थी और उसके अभिभावक जिस उपलब्धि के शिखर पर पहुंचने की परिकल्पना कर रहे होते हैं, यदि इसी बीच संभावना की मौत हो जाए, तो यह शिक्षा का अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण पहलू है। ज्ञान की महिमा ने इस भ्रम को तोड़ने का काम किया है कि शिक्षा पर जाति, नस्ल या रक्त विशेष समुदायों का ही अधिकार है। राजतंत्र में यह धारणा सदियों तक फलीभूत होती रही है कि भारत समेत दुनिया का कुलीन वर्ग नियति की देन है। जबकि वाकई यह पक्षपाती व्यवस्था की उपज रही है। ज्ञान के तंत्र ने इस भ्रामक स्थिति को तोड़ने का काम किया है। हालांकि भारतीय मनीषियों ने ज्ञान की इस शक्ति को हजारों साल पहले जान लिया था, इसीलिए कहा भी गया है कि राजा की पूजा अपने राज्य में होती है, जबकि विद्वान सब जगह पूजा जाता है। ज्ञानार्जित विद्वता की ही देन है कि आज दुनिया शिक्षा और अनुसंधान से आविष्कृत ऐसा तकनीकि संसार रच रही है, जिसमें सुविधाएं मुट्ठी में हैं और लक्ष्य अंतरिक्ष में मनुष्य को बसाने की संभावनाएं तलाश रहा है। संभावनाओं के इस द्वार पर शिक्षा परिसरों में छात्र निराशा के भंवर में मौत का लक्ष्य तय कर रहे हैं, तो यह समूची शिक्षा पर एक बड़ा प्रश्नचिन्ह है?

कुछ साल पहले केंद्रीय विश्वविद्यालय हैदराबाद के छात्र रोहित वेमुला और फिर तमिलनाडु के प्राकृतिक शिक्षा एवं योग महाविद्यालय की तीन छात्राओं द्वारा एक साथ आत्महत्या किए जाने के मामले सामने आए थे। कोटा और इंदौर से कोचिंग ले रहे छात्रों की खुदकुशी के मामले तो निरंतर सामने आते ही रहते हैं। देश के युवाओं की ये मौतें, संभावनाओं की मौतें हैं। ऐसे में यदि छात्र एवं छात्राओं की मौतों का यही सिलसिला बना रहता है तो देश के बेहतर भविष्य की संभावना क्षीण हो जाएगी ? ये मौतें अध्ययन-अध्यापन से उपजी परेशानियों के चलते सामने आ रही हैं। बावजूद देखने में आ रहा है कि राजनीतिक दलों के रहनुमा मौतों को केवल राजनीतिक चश्मे से देख रहे है, लिहाजा समस्या के सामाधान की दिशा में ठोस पहल होती नहीं दिख रही है। आने वाले समय में छात्र आत्महत्याओं को शिक्षा के व्यापक परिदृश्य में नहीं देखा गया तो आगे इन मौतों पर विराम लग जाएगा यह कहना मुश्किल है ?

देश में प्राथमिक शिक्षा से लेकर उच्च व तकनीकी शिक्षा तक शिक्षण पद्धति को लेकर अजीब भ्रम, विरोधाभास व दुविधा की स्थिति बनी हुई है। नतीजतन इनसे उबरने के अब तक जितने भी उपाय सोचे गए, वे शिक्षा के निजीकरण और अंग्रेजीकरण पर जाकर सिमटते रहे हैं। हालांकि नई शिक्षा नीति में सुधार के अनेक उपाय किए गए हैं, लेकिन उनके बीते तीन सालों में अनुकूल परिणाम नहीं निकले। मध्यप्रदेश सरकार ने तो चिकित्सा और इंजीनियरिंग की पढ़ाई हिंदी मध्याम से शुरू करके उल्लेखनीय पहल की है। इस नीति के नए आयामों में व्यावसायिक व तकनीकी शिक्षा के साथ कौशल विकास भी जोड़ दिया गया है। अपनी-अपनी मातृ भाषाओं में शिक्षा की पुरजोर पैरवी भी की गई है। इस बदलते व प्रयोगधर्मी रूप को हिंदी के प्रसिद्ध लेखक श्रीलाल शुक्ल ने बहुत पहले समझ लिया था। गोया, वे अपने उपन्यास 'राग-दरबारी' में लिखते है, 'शिक्षा प्रणाली सड़क पर बैठी बीमार कुतिया की तरह है, जिसे हर आता-जाता आदमी लात तो मारता है, किंतु किसी सुधार का प्रयास नहीं करता।' यही वजह रही कि देश में शिक्षा में आवश्यक बदलाव लाने की दृष्टि से आयोग तो बिठाए गए, उनकी रपटें भी आईं, लेकिन उन पर अमल नहीं हुआ। लिहाजा शिक्षा प्रणाली में आदर्श व समावेशी शिक्षा के बुनियादी तत्व में शामिल करने की बजाय, शिक्षा के निजीकरण और अंग्रेजीकरण की बाध्यकारी शर्तें थोपी जाती रहीं। नतीजतन शिक्षा सफलता के ऐसे मंत्र में बदल गई है, जिसका एकमात्र उद्देश्य पैसा कमाना रह गया है। दुश्चक्र में फंसी इस शिक्षा की यही बानगियां इन आत्महत्याओं में देखने में आ रही हैं।

कोटा के कोचिंग संस्थानों में निरतंत छात्रों द्वारा की जा रही खुदकुशी की घटनाओं की पड़ताल करने से पता चलता है कि छात्रों को अभिभावक अपनी इच्छा के अनुसार महान बनाने की होड़ में लगे हैं। केरल के रहने वाले छात्र अनिल कुमार ने आत्महत्या पूर्व लिखे पत्र में लिखा था, 'सॉरी मम्मी-पापा, आपने मुझे जीवन दिया, लेकिन मैनें इसकी कद्र नहीं की।' यह पीड़ादायी कथन उस किशोर का था, जो आईआईटी की तैयारी में जुटा था। ये संस्थान में प्रतिभाओं को निखारने का दावा अपने विज्ञापनों में खूब करते हैं। लेकिन युवाओं को महान और बड़ा बनाने का सपना दिखाने का इस उद्योग का दावा कितना खोखला है, यह पता यहां बढ़ती जा रही आत्महत्याओं से चलता है। शिक्षा के इस उद्योग का गोरखधंधा देशव्यापी है। यहां करीब एक लाख बच्चे हर साल कोचिंग लेने के अलावा 10वीं, 11वीं और 12वीं में नियमित छात्र के रूप में पढ़ने आते हैं। यहां विरोधाभास यह भी है कि नियमित छात्र के रूप में करीब 15 हजार छात्रों को ही प्रवेश मिल पाता है, बाकी के छात्र जिन शहरों से आते हैं, नियमित छात्र, उन्हीं शहरों के निजी विद्यालयों के होते हैं, लेकिन नीट व आईआईटी की कोचिंग कोटा में लेते हैं। ऐसे में गौरतलब है कि ये छात्र एक साथ अलग-अलग शहरों की दो-दो संस्थाओं में अध्ययन कैसे कर पा रहे हैं ? स्कूलों में 75 प्रतिशत हाजिरी की जो अनिवार्य शर्त है, उसकी पूर्ति कैसे हो रही है ? साफ है, परिजन शुल्क चुकाने की दोहरी मार झेल रहे हैं। कोचिंग संस्थानों को अपनी जगह फीस दे रहे हैं और जिन स्कूलों में छात्र का नाम नियमित विद्यार्थी के रूप में दर्ज है, वहां हाजिरी की खानापूर्ति के लिए अलग से धनराशि चुका रहे हैं। इस विसंगति पर पर्दा इसलिए पड़ा हुआ है,क्योंकि कोचिंग संस्थान हर साल अपनी उपलब्धियों का डंका पीटने के लिए एक अरब से भी ज्यादा की धनराशि के विज्ञापन मीडिया को देते हैं। साफ है, शिक्षा के निजीकरण का यह खेल कई स्तर पर मुनाफे की बंदरबांट का मजबूत आधार बना हुआ है।

इन मौतों और शिक्षा संस्थानों से पलायन की जानकारी राज्यसभा में सामने आने के बाद होना तो यह चाहिए था कि शिक्षा में जातिगत और पूंजीगत विसंगतियों को दूर करने के संयुक्त राजनीतिक उपाय सामने आते ? लेकिन प्रश्न के उत्तर के साथ ही राजनीतिक कर्तव्य की इतिश्री मान ली गई। यहां यह भी सोचने की बात है कि जो छात्र ड्रॉप आउट हो रहे हैं और जो आत्महत्या कर रहे हैं, उनमें बड़ा प्रतिशत अनुसूचित जाति और जनजाति छात्रों का हैं। क्योंकि ये शिक्षा में आरक्षण और छात्रवृत्ति के उपायों के चलते संस्थानों में प्रवेश तो पा जाते हैं, लेकिन अंग्रेजी की कमजोरी के चलते जहां शिक्षकों की प्रताड़ना के पात्र बनते हैं, वहीं सहपाठियों के लिए उपहास का कारण भी बन जाते है। अंग्रेजी की अनिवार्यता के चलते उनकी स्वाभाविक योग्यता बौनी साबित होने लगती है। जबकि अमेरिका व अन्य यूरोपीय देशों में पाठ्यक्रम के रूप में साहित्य विषमता, गरीबी, जाति, धर्म, लैंगिक असमानता और मानवाधिकार शामिल हैं। किंतु हमारे यहां मेडिकल, इंजीनियरिंग, कंप्यूटर और तकनीकी शिक्षा से ये सभी मानविकी विषय लगभग नदारद हैं। अब तो हमने केवल और केवल व्यावसायिक शिक्षा को ही जीवन की सफलता की कुंजी मान लिया है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

व्यंग्य

हिन्दी फिल्मों में वर्षा का महत्व

मनीष कुमार चौधरी
व्यंग्यकार

आजकल का फिल्मकार बड़ा चतुर हो गया है। वह जानता है कि जब तक वर्षा में भीगती नायिका के छींटे अग्रिम पंक्ति के दर्शकों पर नहीं पड़ते, फिल्म के बैठ जाने का खतरा मंडराता रहता है। फिर चाहे फिल्म अकाल के विषय को लेकर ही क्यों न हो, वर्षा का दृश्य पैदा करना लाजमी हो जाता है। अव्वल तो फिल्म के लेखक से यह अपेक्षा रखी जाती है कि वह कहानी में वर्षा को पर्याप्त महत्ता देते हुए दो-चार दृश्य ऐसे लिखे, जिसमें बरखा में भीगती नायिका को दिखाया जा सके। लेखक के भूलने पर निर्देशक ही कई बार ऐसी सिचुएशन पैदा कर एकाध 'बरखा-गीत' की तो गुंजाइश निकाल ही लेता है, चाहे वह सपने में ही क्यों न हो।

निर्देशक जानता है वर्षा ऋतु का मुकाबला अन्य कोई ऋतु नहीं कर सकती। वर्षा के पानी में ही यह क्षमता होती है कि वह इक भीगी-भागी-सी नायिका की मांसल देह का दर्शन भली प्रकार करा सके। कई दफा तो वर्षा दृश्य दिखाते-दिखाते फिल्मकार बड़ी होशियारी से उसमें झरने और स्विमिंग पूल के दृश्य भी मिक्स कर देता है। वर्षा में भीगी अर्धनग्न नायिका को बरखा की बूंदें इतनी मदमस्त कर देती हैं कि कब वह झरने के नीचे ठुमके लगा लेती है, कब स्विमिंग पूल में हीरो के साथ नहा लेती है, पता ही नहीं चलता। यहां निर्देशक जतलाने की कोशिश करता है कि ऐसे दृश्यों में हीरोइन के कपड़े भीगकर पारदर्शी हो गए हैं तो उसमें बिन मौसम की बरसात का ही दोष है। ऐसी स्थिति में हीरोइन के पास वर्षा का लुत्फ उठाने के लिए हीरो के साथ नाचने के सिवा कोई चारा नहीं था। यानी यह कहानी की 'डिमांड' थी। वर्षा चीज ही ऐसी है। गरजते-बरसते काले-काले बादल, चमकती बिजली किसी भी नायिका का मोरल डाउन करने के लिए काफी है। बहुत-सी बार नायक के लाख मनाने, मनुहार करने, रिझाने के बाद भी नायिका टस से मस नहीं होती, तब बरखा-दृश्य बड़ा काम आता है।

हिन्दी फिल्मों में वर्षा का महत्व इसलिए भी बढ़ जाता है, क्योंकि इनमें बारिश के दृश्यों और कहानी के बीच कोई तारतम्य नहीं बिठाना पड़ता। पहली रील से लेकर अंतिम रील तक निर्देशक स्वतंत्र होता है कि वह कभी भी, कहीं भी बरखा-दृश्य घुसेड़ दे। हिन्दी फिल्मों की गीत-परंपरा भी इसमें सहायक होती है। सपना, सपने में बारिश, बारिश के बीच अंग-प्रदर्शन करती नायिका। तर्क के लिए नायिका का यह स्पष्टीकरण कि कहानी की मांग यही थी। हिन्दी और पाश्चात्य देशों की फिल्मों के बीच फर्क यही है। वहां की फिल्मों में बरखा-गीत नहीं होते। इसलिए सपनों की नींव पर निर्देशक वर्षा में भीगती नायिका को नहीं दिखा पाता। 'टाइटेनिक' फिल्म पूरी पानी में बनी थी, लेकिन एक भी बरखा-दृश्य नहीं है। किसी मुम्बइया फिल्मकार ने यह फिल्म बनाई होती तो निश्चित तौर पर इसमें चार-पांच बरखा-गीत होते। सही है, फिल्मों में वर्षा का क्या महत्व होता है और दर्शकों के दिलों में पर्दे पर भीगती नायिका कितना असर पैदा करती है, ऑस्कर प्राप्त फिल्मों के निर्देशक यह नहीं समझ सकते।

प्रियंका गांधी, कांग्रेस महासचिव
@priyankagandhi
आज हरियाणा के मेवात में, चलती ट्रेन में व देश की कई जगहों पर अमन-चैन बिगड़ा हुआ है। यह शर्मनाक और निंदनीय स्थिति 'फूट डालो-राज करो' की राजनीति का परिणाम है।

अशोक गहलोत, मुख्यमंत्री
@ashokgehlot51
मणिपुर के बाद अब हरियाणा में हो रही हिंसा पूरे देश के लिए चिंताजनक है। मैं सभी पक्षों से शांति बनाए रखने की अपील करता हूं।

यादों की पोटली से...

तब आकाशवाणी पर साक्षात्कार में अफसर भी करते थे 'मन की बात'

मुकुल गोस्वामी,
लेखक आकाशवाणी व दूरदर्शन कमेंटेटर, खिलाड़ी और प्रसारणकर्मी हैं

हाल ही में दिल्ली पोस्टेड एक आईपीएस ऑफिसर से मुलाकात हुई। आकाशवाणी और दूरदर्शन की बात चलते ही बोले कि भाई जो मजा इनमें साक्षात्कार दे कर आया वैसा कभी नहीं आया।

हाल ही में एक न्यूज पढ़ी थी। एक जिला कलेक्टर महोदय अपने जिले की एक भूखी प्यासी वृद्धा के घर अपने यहां से खाना बनवाकी ले गये। न सिर्फ उन्होंने उस असहाय औरत के साथ केले के पत्ते में खाना खाया बल्कि उसे पेंशन भी सरकार से दिलवाई। क्या गजब की सहृदयता और इंसानियत की मिसाल। मेरी सारी खुशी क्षण भर में काफूर हो गयी, जब पता चला कि उस पोस्ट को पसंद करने वाले गिने चुने थे। एक क्षण के लिए पन्ना पलटिये और देखिये, यही किसी ऑफिसर द्वारा बदतमीजी की न्यूज होती तो हजारों में शेयर होती और ट्रोल होती। न तो इस न्यूज के छपने से उस ऑफिसर की प्रतिबद्धता में कोई कमी आई होगी, ना ही पसंद न पसंद से उन्हें कोई फर्क पड़ेगा।

सवाल हमारी देखने की मानसिकता के दोष का है। हम अच्छा देखना भूलते जा रहे हैं। हाल ही में दिल्ली पोस्टेड एक आईपीएस ऑफिसर से मुलाकात हुई। आकाशवाणी और दूरदर्शन की बात चलते ही बोले कि भाई जो मजा इनमें साक्षात्कार दे कर आया वैसा कभी नहीं आया। यार अखबार से बात करो तो छपता वही है जो वो लिखना चाहते हैं, हमने क्या बोला था वो बेमानी है। जबकि आकाशवाणी पर हमारे मन की बात प्रसारित होती है, कोई जोड़ तोड़ नहीं, कोई पत्रकारिता वाली फाल्स ईगो नहीं। आपको कहेंगे और आपको सुनेंगे भी। मुझे याद है आकाशवाणी जयपुर के शख्सियत कार्यक्रम में हमने सैकड़ों विद्वानों, अधिकारियों और राजनेताओं के बड़े-बड़े साक्षात्कार किये। शायद ही कोई होगा जो नाराज होकर या गालियां देकर गया होगा।

संविधान और विधि सलाहकार स्वर्गीय एल एम सिंघवी साहब तो सबके सामने बोल पड़े कि भाई यूनाइटेड किंगडम में बीबीसी ने सैंकड़ों साक्षात्कार लिए पर आकाशवाणी जैसी मन की शांति कभी नहीं मिली। हजारों अधिकारी आये और इसलिए खुश थे की आकाशवाणी उनका पूरा पक्ष जनता के सामने आने देती है। जो एक बार आ गया वो आकाशवाणी का हो गया। ऐसा नहीं है कि सभी अधिकारी दौड़े चले आते हों या ऐसा भी नहीं है कि आकाशवाणी कड़वे प्रश्न नहीं पूछती है पर आकाशवाणी की अपनी गरिमा और संस्कृति है जो मेहमान को मेहमान ही मानती है, बलि का बकरा या दुश्मन नहीं।

मुझे याद है अशोक गहलोत जी पहली दफा मुख्यमंत्री बनकर प्रश्नमंच कार्यक्रम में आये थे तो पहला सवाल ही उनके व्यक्तित्व पर था। गहलोत जी आप मिस्टर क्लीन की छवि के साथ आये हैं और ईमानदार राजनेता होने का दावा कर रहे हैं जबकि राजनीति का दूसरा नाम ही भ्रष्टाचार. अपराध, लूटमार और धोखाधड़ी है। न तो मुख्यमंत्री इस प्रश्न पर आगबबूला हुए ना ही भड़के। उन्होंने बड़ा अच्छा जवाब दिया कि वो सकारात्मक राजनीति में विश्वास करते हैं।

फोन इन कार्यक्रम में कड़े से कड़े प्रश्न का जवाब भी बहुत सुन्दर तरीके से दिए गए क्यूंकि अधिकारियों को आकाशवाणी की विश्वसनीयता पर अटूट विश्वास था। एक उप मुख्यमंत्री ने तो इतने गहरे व्यक्तिगत राज एक साक्षात्कार में उगल दिए थे कि मुझे लगा अगर ये प्रसारित हो जाएं तो तूफान खड़ा हो जाएगा। मैंने उन्हें इशारा भी किया तो बोले, बोलने दे भाई, मन में बरसों से जमे हैं, बाहर आने दे, बाद में तुम जो गलत समझो, हटा देना। कितनी गजब की आस्था एक संस्थान के प्रति यूं ही नहीं बनती। बरसों के विश्वास का परिणाम है ये। वो भी जमाना था जब लोग अंग्रेजी सीखने के लिए आकाशवाणी के अंग्रेजी के समाचार सुनते थे। शब्दों के उच्चारण के लिए आकाशवाणी के उद्घोषकों को फॉलो करते थे। संगीत में यदि आप आकाशवाणी से ग्रेडेड नहीं तो कलाकार नहीं माने जाते थे। क्या ऐसी विश्वसनीयता और साख किसी और संस्थान की है?

अपॉर्च्युनिटी: सिल्क रोड इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी ने ऑफर की स्कॉलरशिप

उज्बेकिस्तान से मास्टर डिग्री की पढ़ाई कर पाएंगे कोटा के छात्र

बेधड़क | कोटा/जयपुर

कोटा विश्वविद्यालय के छात्र छात्राओं को सिल्क रोड इंटरनेशनल टूरिज्म यूनिवर्सिटी की ओर से मास्टर डिग्री कोर्स ऑफर किया गया है। इन छात्र छात्राओं को उज्बेकिस्तान में रहकर कोर्स करने पर सिल्क रोड यूनिवर्सिटी की ओर से छात्रवृत्ति भी दी जाएगी।

कोटा विश्वविद्यालय में स्किल डेवलपमेंट सेंटर की निदेशक और वाणिज्य एवं प्रबंधन विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. अनुकृति शर्मा ने बताया कि यह छात्रवृत्ति देश में केवल कोटा विश्वविद्यालय के छात्रों को ही ऑफर की गई है। इसमें प्रवेश लेने के इच्छुक छात्र 15 अगस्त तक आवेदन कर सकेंगे।

स्टडी के साथ इतिहास जानने का भी मौका

इनमें प्रवेश लेने वाले छात्रों को उज्बेकिस्तान जाने के लिए एक बार आगमन और प्रस्थान का हवाई टिकट मिलेगा। प्रत्येक छात्र को प्रतिमाह 100 यूएस डॉलर के बराबर राशि में छात्रावास व्यय तथा 500 यूएस डॉलर प्रतिमाह के बराबर राशि में छात्रवृत्ति मिलेगी। इसके अलावा छात्रों को उज्बेकिस्तान के ऐतिहासिक शहरों, समृद्ध वास्तुकला, स्थानीय रीति-रिवाजों और परंपराओं से परिचित कराने के लिए साल में दो बार उज्बेकिस्तान के प्राचीन शहरों की यात्राएं आयोजित की जाएंगी। यात्रा व्यय को कवर करने के लिए 100 अमेरिकी डॉलर के बराबर अतिरिक्त राशि आवंटित की जाएगी।

डॉ. अनुकृति ने बताया कि यह मास्टर डिग्री कोर्स पर्यटन, म्यूजियम स्टडीज, मैनेजमेंट ऑफ कल्चरल हेरिटेज, क्रिएटिव इंडस्ट्री और आर्कियोलॉजी विषय में किया जा सकता है।

उल्लेखनीय है कि 21 फरवरी 2020 को उज्बेकिस्तान में आयोजित दो दिवसीय अन्तरराष्ट्रीय ट्यूरिज्म कॉन्फ्रेंस में कोटा विश्वविद्यालय के स्किल डेवलपमेंट सेंटर तथा सिल्क रोड इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ टूरिज्म उज्बेकिस्तान के बीच एक एमओयू साइन किया गया था। इसमें दोनों विश्वविद्यालयों द्वारा परस्पर ऐसे कोर्स साझा करने पर सहमति बनी थी। इसके बाद कोटा विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा सिंह तथा स्किल डेवलपमेंट सेंटर की निदेशक डॉ. अनुकृति शर्मा ताशकंद भी गई थीं। कोटा में आयोजित ब्रिक्स देशों के सम्मेलन में सिल्क रोड यूनिवर्सिटी के प्रतिनिधि कोटा विश्वविद्यालय पहुंचे थे।

मिलेंगे रोजगार के नए अवसर

इस अवसर पर कुलपति प्रो. नीलिमा सिंह ने कहा कि सिल्क रोड यूनिवर्सिटी की ओर से ऑफर किए गए इन कोर्स से पर्यटन उद्योग में योग्य प्रोफेशनल युवाओं की कमी को दूर किया जा सकेगा। आज राजस्थान पर्यटन की दृष्टि से आगे बढ़ रहा है। कोटा भी पर्यटन का बड़ा डेस्टिनेशन बनकर उभरा है। वहीं राजस्थान के दूसरे शहर भी टूरिज्म के केंद्र हैं। ऐसे में इस प्रकार के कोर्स युवाओं के लिए नए रोजगार के द्वार खोल सकेंगे।

Yuva स्टोरीज

स्वास्थ्य जागरुकता के लिए वॉकथान छह को |

जयपुर। वेस्कुलर सोसाइटी ऑफ इंडिया की ओर से नेशनल वेस्क्यूलर डे के अवसर पर छह अगस्त को राष्ट्रव्यापी वॉकथॉन का आयोजन किया जाएगा। इसके जयपुर इवेंट का पोस्टर बुधवार को लॉन्च किया गया। यह आयोजन देश के 25 शहरों में एक साथ होगा। जयपुर में यह वॉकथान एपेक्स हॉस्पिटल से पीकॉक गार्डन तक आयोजित की जाएगी। इसमें सैकड़ों की संख्या में जयपुराइट्स शामिल होंगे। वॉकथॉन में शामिल होने वाले प्रतिभागी एम्पुटेशन फ्री इंडिया, 'एक मील चलो, एक मुस्कान के साथ जियो' जैसे संदेश देंगे। वेस्कुलर सोसाइटी के इस आयोजन का उद्देश्य समुदाय और एकजुटता की भावना को बढ़ावा देते हुए स्वास्थ्य के महत्व पर ध्यान आकर्षित करना और जीवन शैली में बदलाव कर वेस्क्यूलर समस्याओं को दूर रखने का संदेश देना है। जयपुर में वॉकथॉन का संयोजन सीनियर वेस्कुलर सर्जन डॉ. आदर्श काबरा एवम ऋतुराज सिंह करेंगे। काबरा ने बताया कि इस वॉक का उद्देश पैर काटने से पहले समय पर इलाज देना है ताकि पैर को बचाया जा सके।

सुनीता यादव को पीएचडी |

जयपुर। आईआईएस यूनिवर्सिटी के जियोग्राफी डिपार्टमेंट की स्टूडेंट सुनीता यादव को 'इम्पैक्ट ऑफ क्लाइमेट वैरिएबिलिटी ऑन एग्रीकल्चर इन हरियाणा: ए केस स्टडी ऑफ प्रोडक्शन ऑफ सिलेक्टेड रबी एंड खरीफ क्रॉप्स ऑफ रेवाड़ी डिस्ट्रिक्ट' विषय पर पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई है। सुनीता ने अपना शोध कार्य डॉ. हर्षिता उपाध्याय के निर्देशन में पूरा किया।

शेखर कपूर ने दिए मेंटल फिटनेस टिप्स |

जयपुर। मेंटल मजबूती संस्था की ओर से कार्मिकों की मानसिक क्षमता को मजबूत करने के विषय पर सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार मे प्रसिद्ध मोटिवेशनल स्पीकर डॉ. शेखर कपूर ने कॉरपोरेट ट्रेनिंग, बिजनेस पर्सनलिटी डवलपमेंट, टीम बिल्डिंग, बिहेवियर स्किल्स व भिन्न प्रकार के कौशल क्षेत्रों में अपने भीतर छिपी हुई प्रतिभा को पहचान कर अपने लक्ष्य प्राप्ति के लिए तेजी से अग्रसर होने जैसे विषयों पर टिप्स दिए। कपूर ने बताया कि लीडरशिप, बिहेवियरल स्किल्स प्रोडक्टिविटी तथा प्रबंधन क्षमता को विकसित करने के लिए स्कूल एवं कॉलेज के समय से ही फोकस करना चाहिए। उन्होंने पेरेंट्स से इस ओर सकारात्मक तरीके से काम करने की आवश्यकता पर जोर दिया।

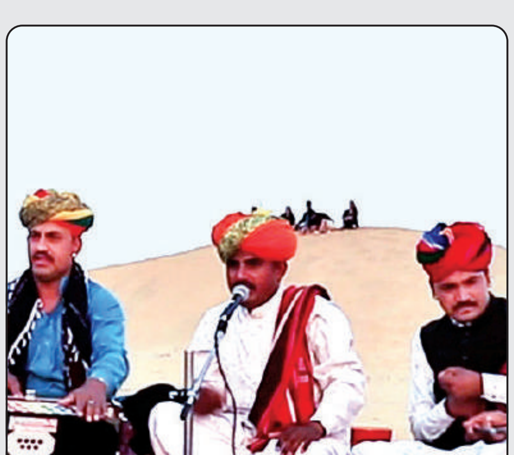

संगोष्ठी में होगी लोकगीतों पर चर्चा |

जयपुर। राजस्थान कॉलेज और इंडियन काउंसिल ऑफ सोशल साइंस रिसर्च, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वाधान में 'लोक गीत : भारतीय संस्कृति की आत्मा एवं तकनीकी का प्रभाव' विषय पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी गुरुवार को शुरू होगी। राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में होने वाली संगोष्ठी की कन्वीनर डॉ. अंशु वर्मा ने बताया कि उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में लोक गायिका मालिनी अवस्थी शामिल होंगी| उद्घाटन सत्र के मुख्य वक्ता राजस्थान साहित्य अकादमी के एडवाइजर चंद्रप्रकाश देवल रहेंगे। विशिष्ट अतिथि राम दयाल शर्मा होंगे। अध्यक्षता राजस्थान विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राजीव जैन करेंगे। संगोष्ठी में देश के विभिन्न प्रदेशों के साथ साथ अंतरराष्ट्रीय स्तर के कई कलाकार ऑनलाइन माध्यम से भी जुड़ेंगे।

MNIT में ओरिएंटेशन प्रोग्राम

कैंपस में रौनक, नए सपने लिए आए नए स्टूडेंट्स

बेधड़क | जयपुर

मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (MNIT) कैंपस बुधवार को नए स्टूडेंट्स के उत्साह और जोश से गुलजार रहा। अपने अभिभावकों के साथ कॅरियर का नया सफर शुरू करने देश के कोने कोने से एमएनआईटी कैंपस पहुंचे स्टूडेंट्स ने एडमिशन की फॉर्मलिटीज पूरी कर अपने सपनों की ओर कदम बढ़ाए। पुराने स्टूडेंट्स में अपने नए साथियों का स्वागत करने की उत्सुकता दिखाई दी तो नए स्टूडेंट्स में नए कैंपस को लेकर जिज्ञासाओं की भरमार नजर आई। 1 अगस्त को शुरू हुए दो दिवसीय पंजीकरण कार्यक्रम के दूसरे दिन संस्थान में दिनभर स्टूडेंट्स की चहल पहल रही। अब गुरुवार से इन स्टूडेंट्स के लिए ओरिएंटेशन प्रोग्राम शुरू होगा। गुरुवार पंजीकरण के लिए कैंपस पहुंचे स्टूडेंट्स की सुविधा के लिए संस्थान ने भी भरपूर व्यवस्थाएं की थीं। स्टूडेंट्स को मुख्य द्वार से सामान के साथ अंदर पहुंचाने के लिए ई रिक्शा लगाए गए थे। वहीं, स्टूडेंट्स और उनके पेरेंट्स के लिए विश्राम व भोजन की भी व्यवस्था की गई। पंजीकरण के दौरान नए छात्रों को हॉस्टल भी आवंटित किए गए। गौरतलब है कि एमएनआईटी जयपुर के सीट मैट्रिक्स में कुल 888 सीटें हैं। इनमें से अब तक 539 सीटें कन्फर्म हो चुकी हैं। सीएसएबी (CSAB) काउंसलिंग राउंड खत्म होने के बाद 14 अगस्त तक सभी सीटें कन्फर्म हो जाएंगी।

कैंपस स्थित लेक्चर थिएटर कॉम्प्लेक्स वीएलटीसी में आयोजित हुए पंजीकरण कार्यक्रम में पुराने स्टूडेंट्स और फैकल्टी मेंबर्स नए स्टूडेंट्स की पंजीकरण प्रक्रिया में मदद करते नजर आए। नए स्टूडेंट्स को संस्थान के 19 सांस्कृतिक क्लब, 11 तकनीकी समितियों और उन्नत भारत अभियान (यूबीए) पहल से भी परिचित कराया गया, जिनमें वे अपनी रुचि के आधार पर शामिल होकर व्यक्तित्व को संवार सकते हैं।

मिलेगा एक्सपर्ट्स का मार्गदर्शन

पैनल चर्चा में विभिन्न क्षेत्रों की प्रमुख हस्तियां शामिल होंगी। 'जेंडर सेंसिटाइजेशन' पर चर्चा के लिए महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष प्रो. लाडकुमारी जैन, राजनीति विज्ञान की पूर्व प्रोफेसर मिनी नंदा व शिक्षाविद डॉ. अंजलि शर्मा छात्रों के बीच पहुंचेंगी।

'माइंड टू मैटर: एम्पावरिंग स्टूडेंट्स हैल्थ एंड वेलनेस' में डॉ. राजीव बघरहट्टा, डॉ. डीएस पूनिया व प्रकाश शर्मा, पैनल चर्चा को आगे बढ़ाएंगे। इनेबलेंस के सह संस्थापक डॉ. नीलेश खरे, प्रोएड के सीईओ नागमणि मिश्रा और जेएसएचएल के वरिष्ठ उपाध्यक्ष विजय कुमार बिंदलिश 'इंजीनियरिंग कॅरियर संभावनाओं' पर पैनल चर्चा के लिए आमंत्रित हैं। ओरिएंटेशन कार्यक्रम 5 अगस्त को एक सांस्कृतिक संध्या के साथ समाप्त होगा जिसमें नए और वरिष्ठ छात्रों द्वारा प्रस्तुतियां दी जाएंगी।

आज से शुरू होगा मोटिवेशन का दौर

पंजीकरण कार्यक्रम के बाद अब गुरुवार से तीन दिवसीय ओरिएंटेशन कार्यक्रम शुरू होगा। निदेशक प्रो. एनपी पाढ़ी कार्यक्रम का उद्घाटन करेंगे। प्रोग्राम की शुरुआत योग, ध्यान और एरोबिक्स जैसी एक्टिविटीज के माध्यम से छात्रों के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देकर होगी। इसके साथ ही 'इंजीनियरिंग कॅरियर संभावनाएं', 'जेंडर सेंसिटाइजेशन', और 'माइंड टू मैटर: एम्पावरिंग स्टूडेंट्स हैल्थ एंड वेलनेस' जैसे विषयों पर पैनल चर्चा जैसे कार्यक्रमों की एक श्रृंखला का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम में छात्रों के व्यवहार संबंधी गुण, नैतिकता तथा सामाजिक उत्तरदायित्व जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर डीन की चर्चा भी शामिल होगी।

1613 पदों के लिए हुई थी परीक्षा

वरिष्ठ अध्यापक (गणित) की अस्थाई सूची जारी

बेधड़क | जयपुर

राजस्थान लोक सेवा आयोग ने वरिष्ठ अध्यापक प्रतियोगी परीक्षा के गणित विषय के 1613 पदों पर आयोजित हुई परीक्षा का परिणाम बुधवार को जारी कर दिया है। जारी परिणाम में आयोग ने टीएसपी क्षेत्र के 15 उम्मीदवारों और नॉन-टीएसपी के 905 उम्मीदवारों को पात्रता जांच के लिए विचारित सूची में अस्थाई तौर पर शामिल किया है। दस्तावेज सत्यापन के बाद अंतिम परिणाम जारी किया जाएगा। जारी सूची के अनुसार टीएसपी क्षेत्र में जनरल केटेगरी की कट ऑफ 217.38 और एससी की 207.21 गई है। वहीं एसटी में कोई पात्र उम्मीदवार नहीं मिल पाया।

नॉन टीएसपी क्षेत्र में जनरल केटेगरी की कट ऑफ 200.29 और एससी की 182.50, एसटी की 190.01 रही। वहीं ईडब्ल्यूएस, ओबीसी, एमबीसी, सहरिया में कोई पात्र उम्मीदवार नहीं मिल पाया। आयोग सचिव रामनिवास मेहता ने बताया कि वरिष्ठ अध्यापक गणित के लिए प्रथम प्रश्न पत्र सामान्य ज्ञान की परीक्षा 29 जनवरी और द्वितीय प्रश्न पत्र मैथ्स की परीक्षा 26 दिसंबर को हुई थी।

सिंधी समाज की प्रतिभाओं का हुआ सम्मान |

जयपुर। सिंधी समाज के बच्चों को प्रोत्साहित करने के लिए सर्व सिंधी समाज महासभा की ओर से श्रीश्री रविशंकर आश्रम मे आयोजित कार्यक्रम मे सिंधी समाज के प्रतिभाशाली बच्चों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम संयोजक जिला महासचिव देवानंद कोरजानी की संयोजन में आयोजित इस कार्यक्रम में विभिन्न परीक्षाओं में प्रदर्शन के आधार पर एवं अलग-अलग प्रतिभा में रुचि रखने वाले बच्चों को शील्ड, शॉल, झूलेलाल की तस्वीर, स्कूल बैग इत्यादि भेंट देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में रमेश मोटवानी, कमल भोजवानी, भरत छूगानी, गौरव आहूजा समेत अन्य लोगों ने प्रतिभाओं को सम्मानित किया। भोजवानी ने बताया कि सम्मान समारोह से समाज के बच्चों को प्रोत्साहन मिलेगा एवं भविष्य में अपनी प्रतिभा को और निखारने की भावना जागृत होगी। कार्यक्रम का समापन सिंधी संतों व बुजुर्ग महिलाओं के सम्मान व भोज के साथ हुआ।

पहल | शिक्षा कार्यक्रमों के इंटरेक्टिव वीडियो तैयार

बोरिंग गाइडलाइंस 'विदा', अब वीडियो से इंस्ट्रक्शन

बेधड़क | जयपुर

विभागीय सर्कुलर के जरिए प्रसारित होने वाली स्कूल शिक्षा विभाग से जुड़ी सूचनाएं अब स्टूडेंट्स, शिक्षकों व अभिभावकों को वीडियो की फॉर्म में मिल पाएंगी। स्कूल शिक्षा विभाग ने एक अनूठी पहल करते हुए समग्र शिक्षा अभियान के तहत संचालित कार्यक्रमों, गतिविधियों और 'टीचर्स ट्रेनिंग मॉड्यूल' के वीडियो तैयार करा उन्हें यू ट्यूब पर अपलोड किया है। इन वीडियोज के क्यूआर कोड बनाए गए हैं जो वाट्सएप ग्रुप के माध्यम से सरकारी स्कूलों के शिक्षकों को सर्कुलेट किए जाएंगे। इससे विभागीय निर्देशों की जानकारी सुगमता से सभी स्टेक हॉल्डर्स को मिल सकेगी। फिलहाल चार दर्जन गाइडलाइंस को समाहित करते हुए 15 इंटरेक्टिव वीडियोज बनाए गए हैं। स्कूल शिक्षा विभाग के शासन सचिव नवीन जैन ने बताया कि इस नई पहल से शिक्षक, अभिभावक, आमजन और विद्यार्थी अपने से सम्बंधित कार्यक्रमों की जानकारी चंद मिनटों में मोबाईल पर 'क्यूआर कोड' को स्कैन कर इन वीडियोज के जरिए प्राप्त कर सकेंगे। अभी तक ये विभागीय दिशानिर्देश अधिकारियों व प्रिंसिपल्स तक ही सीमित रह जाते थे।

एक्टिविटीज से लेकर ट्रेनिंग तक पर वीडियो

शासन सचिव ने बताया कि स्कूल शिक्षा विभाग के सभी स्टेकहोल्डर्स के लिए उपयोगिता और आवश्यकता के आधार पर ये वीडियोज अलग-अलग थीम पर तैयार कराए गए है। उन्होंने बताया कि विद्यार्थियों और शिक्षकों के लिए टीचिंग लर्निंग मैटेरियल से सम्बंधित गतिविधियों पर एक विशेष वीडियो तैयार किया गया है। रानी लक्ष्मीबाई आत्मरक्षा प्रशिक्षण, आईसीटी लैब, व्यावसायिक शिक्षा गतिविधियां तथा किशोर-किशोरी सशक्तीकरण गतिविधियों पर भी वीडियो बनाए गए हैं। इसके साथ ही छोटी अवधि के शिक्षक प्रशिक्षणों के वीडियो भी उपलब्ध कराए जाएंगे जिससे शिक्षकों को प्रशिक्षण स्थल तक यात्रा ना करनी पड़ी और वे सुविधाजनक रूप से प्रशिक्षण कर पाएं।

ये हैं खास वीडियोज

- **ग्रान्ट्स फॉर स्कूल** कम्पोजिट स्कूल ग्रान्ट एवं स्पोर्ट्स ग्रांट की जानकारी
- **क्लब्स इन द स्कूल** यूथ एण्ड इको क्लब व विज्ञान क्लब
- **स्कूल उत्सव**- प्रवेशोत्सव, वार्षिकोत्सव, एल्यूमिनाई मीट, बाल समारोह, कला उत्सव एवं रंगोत्सव
- **हॉस्टल्स**-कस्तूरबा गांधी विद्यालय एवं मेवात बालिका छात्रावास

स्पेशल स्टूडेंट्स पर विशेष ध्यान

जैन ने बताया कि विभाग द्वारा 'चाइल्ड विद स्पेशल नीड्स' (विशेष आवश्यकता वाले विद्यार्थियों) के लिए ट्रांसपोर्ट भत्ता, एस्कॉर्ट भत्ता, स्टायफंड और रीडर भत्ता जैसी गतिविधियों का संचालन होता है। इनके बारे में महत्त्वपूर्ण जानकारी को एक वीडियो के माध्यम से एक्सेस किया जा सकता है। इसी प्रकार महात्मा गांधी स्कूलों में पूर्व प्राथमिक शिक्षा के वीडियो में एक्टिव कॉर्नर, रीडिंग कॉर्नर एवं कला कॉर्नर के साथ-साथ पूर्व प्राथमिक शिक्षा के लिए टीएलएम (टीचिंग लर्निंग मैटेरियल) किट तथा विद्यार्थियों के लिए ट्रांसपोर्ट वाउचर योजना से सम्बंधित वीडियोज भी अब सभी के लिए यूट्यूब पर उपलब्ध है।

जरूरी खबर

कला निर्देशक नितिन देसाई ने आत्महत्या की

मुंबई। बड़े पर्दे पर धूम मचाने वाली फिल्म 'लगान' और 'हम दिल दे चुके सनम' में कला निर्देशन करने वाले जाने-माने कला निर्देशक नितिन देसाई ने महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले में कथित तौर पर अपने स्टूडियो में बुधवार को आत्महत्या कर ली। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि देसाई का शव सुबह एन डी स्टूडियो में रस्सी से लटका मिला। यह स्टूडियो मुंबई से लगभग 50 किलोमीटर दूर रायगढ़ के कर्जत इलाके में है। देसाई चार बार राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किए गए थे। हेमा मालिनी सहित बॉलीवुड की कई हस्तियों ने उनके निधन पर शोक व्यक्त किया है।

कांग्रेस: कर्नाटक में 20 सीटें जीतने का लक्ष्य किया तय

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने बुधवार को पार्टी की कर्नाटक इकाई के वरिष्ठ नेताओं के साथ बैठक की जिसमें अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव की तैयारियों की समीक्षा करने के साथ ही राज्य से कम से कम 20 लोकसभा सीट जीतने का लक्ष्य तय किया गया। सूत्रों ने बताया कि इस बैठक में राहुल गांधी ने यह कड़ा संदेश भी दिया कि कांग्रेस की सरकार में किसी तरह का कोई भ्रष्टाचार नहीं होना चाहिए। बैठक में खरगे और राहुल गांधी के अलावा कांग्रेस के संगठन महासचिव के. सी. वेणुगोपाल समेत कई वरिष्ठ नेता मौजूद थे।

केरल में अमेरिकी महिला से किया सामूहिक दुष्कर्म

कोल्लम। केरल के कोल्लम में एक अमेरिकी महिला से कथित सामूहिक बलात्कार के मामले में दो लोगों को हिरासत में लिया गया है। महिला हाल में भारत आई थी और यहां निकट के एक आश्रम में रह रही थी। पुलिस ने बताया कि आरोपियों को बुधवार को पकड़ लिया गया और उनके खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। घटना 31 जुलाई को उस वक्त हुई, जब 44 वर्षीय महिला आश्रम के पास समुद्र तट पर अकेली बैठी थी। महिला की शिकायत के अनुसार, आरोपी उसके पास आए और सिगरेट साझा करने की पेशकश की।

अटका विशालकाय कंटेनर पोत... देखने उमड़े लोग

हावड़ा। सिंगापुर के एक 140 मीटर लंबे कंटेनर पोत स्टीयरिंग फेल होने के कारण बुधवार को गुरचुमुक के निकट फुकरिया प्वाइंट पर छिछले पानी में अटक गया। जिस पर पोत को देखने के लिए स्थानीय लोग उमड़ पड़े।

राज्यसभा की वन संरक्षण संशोधन बिल को मंजूरी

नई दिल्ली। राज्यसभा ने बुधवार को 'वन (संरक्षण) संशोधन विधेयक, 2023' को मंजूरी दे दी जिसका मकसद वनों के संरक्षण के साथ ही विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन स्थापित करना और लोगों के जीवनस्तर में सुधार लाना है। केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने विधेयक को चर्चा और पारित करने के लिए पेश किया। मंत्री के जवाब के बाद सदन ने ध्वनिमत से विधेयक को मंजूरी दे दी।लोकसभा इस विधेयक को पहले ही पारित कर चुकी है। विधेयक पर चर्चा के दौरान विपक्ष के सदस्य सदन में मौजूद नहीं थे। विपक्षी सदस्यों ने मणिपुर के मुद्दे पर सदन से बहिर्गमन किया था। यादव ने कहा कि इस विधेयक से जंगलों में रहने वाले लोगों को बुनियादी सुविधाएं मुहैया कराने में आसानी होगी वहीं वामपंथी उग्रवाद प्रभावित क्षेत्रों में भी आदिवासियों के विकास के लिए सरकार काम कर सकेगी।

राष्ट्रपति से मिला विपक्षी प्रतिनिधिमंडल, ज्ञापन सौंपा

पीएम मोदी के मणिपुर दौरे व संसद में वक्तव्य की मांग की

एजेंसी | नई दिल्ली

विपक्षी गठबंधन इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस (इंडिया) के घटक दल के नेताओं के एक प्रतिनिधिमंडल ने बुधवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात कर उनसे आग्रह किया कि वे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मणिपुर के मुद्दे पर संसद में वक्तव्य देने के लिए कहें। उन्होंने उनसे यह मांग भी की कि मणिपुर में शांति बहाली के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को राज्य का दौरा करना चाहिए।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने इस मुलाकात के बाद संवाददाताओं को बताया कि विपक्षी दलों के नेताओं ने राष्ट्रपति से मुलाकात के दौरान उन्हें हरियाणा में दंगों के बारे में भी अवगत कराया। उन्होंने कहा, हमने राष्ट्रपति को ज्ञापन सौंपा है। वहां घटने वाली घटनाओं, खासकर महिलाओं के खिलाफ अत्याचार के बारे में उन्हें अवगत कराया।

हमें सदन में बोलने नहीं दिया जाता: खरगे

खरगे के अनुसार, विपक्ष राज्यसभा में नियम 267 के तहत चर्चा चाहता है, लेकिन सरकार नहीं सुन रही है। उन्होंने आरोप लगाया, सरकार हमें सदन में बोलने नहीं दे रही। मेरे माइक को तुरंत बंद कर दिया जाता है। यह सरकार न संविधान को बचाना चाहती है और न ही संविधान के उसूलों पर चलना चाहती है। दिल्ली से सटे राज्य में दंगे हो रहे हैं, लेकिन कोई संज्ञान नहीं लेता। हमने ये सारी बातें राष्ट्रपति को बताईं।

ये नेता शामिल थे प्रतिनिधिमंडल में

राष्ट्रपति से मुलाकात करने वाले प्रतिनिधिमंडल में खरगे के अलावा राकांपा के शरद पवार, तृणमूल कांग्रेस के सुदीप बंदोपाध्याय, जनता दल (यूनाइटेड) के राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह, नेशनल कांफ्रेंस के फारूक अब्दुल्ला और कई अन्य दलों के नेता शामिल थे।

लोस में लगातार हंगामे से बिरला अप्रसन्न

नई दिल्ली। मानसून सत्र शुरू होने के बाद से ही लोकसभा में मणिपुर मुद्दे पर लगातार हो रहे हंगामे और कामकाज बाधित होने से लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला अप्रसन्न हैं और संसद भवन में मौजूद होने के बावजूद उन्होंने बुधवार को अभी तक सदन में आकर कार्यवाही का संचालन नहीं किया है। सूत्रों ने यह जानकारी दी। लोकसभा सचिवालय के सूत्रों ने बताया कि लोकसभा अध्यक्ष ने सत्ता पक्ष और विपक्ष के सदस्यों से अप्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें इसके बारे में बता भी दिया है। सूत्रों के अनुसार, बिरला ने कहा है कि सदन की गरिमा उनके लिए सर्वोच्च है और सदन में मर्यादा कायम करना सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है। सूत्रों के अनुसार लोकसभा अध्यक्ष का कहना है कि सदन में कुछ सदस्यों का व्यवहार सदन की उच्च परंपराओं के विपरीत है। समझा जाता है कि मंगलवार को निचले सदन में दिल्ली सेवा संबंधी विधेयक पेश किए जाने के दौरान शोर-शराबे को लेकर भी उन्होंने अपनी अप्रसन्नता जताई है।

विपक्षी दलों को चर्चा में दिलचस्पी नहीं: भाजपा

नई दिल्ली। भाजपा ने बुधवार को आरोप लगाया कि विपक्षी दल मणिपुर के मुद्दे पर संसद में चर्चा से भाग रहे हैं क्योंकि उन्हें चर्चा में कोई दिलचस्पी नहीं है और वे जानते हैं कि सरकार के पास उनके सवालों का उपयुक्त जवाब है। संसदीय कार्य मंत्री प्रहलाद जोशी ने संवाददाताओं से कहा, सरकार चर्चा के लिए तैयार है। गृह मंत्री ने मणिपुर का दौरा किया था और वह जवाब देने के लिए तैयार हैं। मैं नहीं समझ पा रहा हूं कि विपक्ष की क्या समस्या है।

अनुच्छेद 370 निरस्त करने पर सुनवाई

SC ने पूछा- संविधान सभा नहीं तो कौन करेगा सिफारिश !

यह भी पूछा कोर्ट ने

- क्या होता है जब संविधान सभा का कार्यकाल समाप्त हो जाता है?

एजेंसी | नई दिल्ली

जम्मू कश्मीर में अनुच्छेद 370 को हटाने की सिफारिश कौन कर सकता है जब वहां कोई संविधान सभा मौजूद ही नहीं है? उच्चतम न्यायालय ने बुधवार को यह सवाल उन याचिकाकर्ताओं से पूछा जिन्होंने पूर्ववर्ती राज्य को विशेष दर्जा देने वाले संवैधानिक प्रावधान को निरस्त किए जाने को चुनौती दी है। प्रधान न्यायाधीश डी. वाई. चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने बुधवार सुबह अनुच्छेद 370 को निरस्त करने के केंद्र के पांच अगस्त, 2019 के फैसले को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई शुरू की। पीठ में न्यायाधीश संजय किशन कौल, न्यायाधीश संजीव खन्ना, न्यायाधीश बी. आर. गवई और न्यायाधीश सूर्यकांत भी शामिल हैं। न्यायालय ने याचिकाकर्ताओं के मुख्य वकील वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल से पूछा कि एक प्रावधान (अनुच्छेद 370), जिसका विशेष रूप से संविधान में एक अस्थाई प्रावधान के रूप में उल्लेख किया गया था, वह 1957 में जम्मू कश्मीर संविधान सभा का कार्यकाल समाप्त होने के बाद स्थाई कैसे हो सकता है? प्रधान न्यायाधीश ने सिब्बल से पूछा, क्या होता है जब संविधान सभा का कार्यकाल समाप्त हो जाता है? अनुच्छेद 370 के खंड (3) का प्रावधान राज्य की संविधान सभा की सिफारिश को संदर्भित करता है, और यह कहता है कि राष्ट्रपति द्वारा अधिसूचना जारी किए जाने से पहले संविधान सभा की सिफारिश आवश्यक है। लेकिन सवाल यह है कि जब संविधान सभा का अस्तित्व समाप्त हो जाएगा तो क्या होगा?

मानहानि मामला: हलफनामा दायर

राहुल ने माफी मांगने से फिर किया इनकार

एजेंसी | नई दिल्ली

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मोदी उपनाम वाली अपनी टिप्पणी के लिए माफी मांगने से एक बार फिर इनकार कर दिया है, जिसके कारण उन्हें संसद की सदस्यता से अयोग्य करार दिया गया था। गांधी ने हालांकि सुप्रीम कोर्ट से अपनी टिप्पणी से उत्पन्न आपराधिक मानहानि मामले में अपनी सजा पर रोक लगाने का आग्रह किया और इस बात पर जोर दिया कि वह दोषी नहीं हैं।

शीर्ष अदालत के समक्ष दायर एक हलफनामे में, गांधी ने कहा कि मोदी ने अपने जवाब में उनके लिए अहंकारी जैसे निंदात्मक शब्दों का इस्तेमाल केवल इसलिए किया क्योंकि उन्होंने माफी मांगने से इनकार कर दिया है।।

निर्माणाधीन पुल ढहा

चमोली। चमोली जिले में बद्रीनाथ धाम में मास्टर प्लान के तहत अलकनंदा नदी पर निर्माणाधीन पुल का एक हिस्सा बुधवार को निर्माण कार्य के दौरान ढह गया। -पीटीआई

कार्मिक राज्य मंत्री ने कहा...

पेंशन की न्यूनतम राशि बढ़ाने का प्रस्ताव नहीं

एजेंसी | नई दिल्ली

सरकार ने बुधवार को लोकसभा को बताया कि पेंशन/परिवार पेंशन की न्यूनतम राशि को बढ़ाने का कोई प्रस्ताव नहीं है। लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में कार्मिक राज्य मंत्री जितेन्द्र सिंह ने बताया कि केंद्र सरकार के तहत पेंशन/परिवार पेंशन की न्यूनतम राशि 9000 रुपए है। अभी 44, 81, 245 पेंशनधारक थे जिसमें 20,93,462 परिवार पेंशनधारक शामिल हैं।

रेलवे में 2,63,913 पद रिक्त: सरकार ने लोकसभा को बताया कि भारतीय रेलवे में अभी राजपत्रित और अराजपत्रित संवर्ग के 2,63,913 पद रिक्त हैं। रिक्तियों को भरा जाना सतत प्रक्रिया है।

विशेषज्ञों ने सरकार को सौंपी रिपोर्ट

चीतों के बढ़े 'फर' बने जान लेवा, हो रहा है संक्रमण

एजेंसी | नई दिल्ली

अफ्रीका की सर्दियों के आदी चीतों के 'फर' की मोटी परत विकसित होने की प्राकृतिक प्रक्रिया, भारत की नमी युक्त और गर्म मौसमी परिस्थितियों में प्राणघातक साबित हो रही हैं। यह दावा चीता परियोजना से जुड़े अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों ने किया है।

सरकार को सौंपी रिपोर्ट में विशेषज्ञों ने चीतों के फर को काटने की सलाह दी है ताकि उन्हें प्राणघातक संक्रमण और मौत से बचाया जा सके। अफ्रीका से लाकर मध्य प्रदेश के कूनो राष्ट्रीय उद्यान में 20 वयस्क चीतों को बसाया गया था जिनमें से मार्च के बाद से छह की मौत हो गई है।

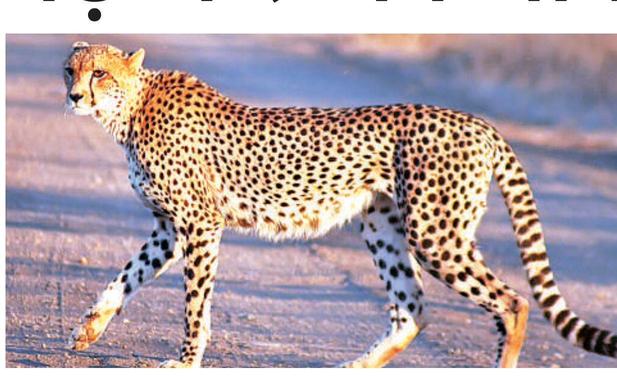

चीते की मौत का सबसे नवीनतम मामला बुधवार को सामने आया। इनके अलावा तीन शावकों की मौत हो चुकी है। विशेषज्ञों ने कहा कि फर की मोटी परत परजीवियों और नमी से होने वाले त्वचा रोग के लिए आदर्श परिस्थिति है, इसके साथ ही मक्खी का हमला संक्रमण को बढ़ाता है और त्वचा के स्वास्थ्य के लिए विपरीत परिस्थिति पैदा करता है। उन्होंने कहा कि जब चीते अपने जांघ के बल पर बैठते हैं तो संक्रमित तरल पदार्थ फैल कर रीढ़ की हड्डी तक पहुंच सकता है।

जिनके लंबे बाल नहीं, वे हैं ठीक

परियोजना से जुड़े एक अधिकारी ने बताया कि सभी चीतों की त्वचा पर घने फर विकसित नहीं हुए हैं। कुछ चीतों के लंबे बाल नहीं है और उन्हें ऐसी समस्या का सामना करना नहीं पड़ा है। इसलिए प्राकृतिक चयन के सिद्धांत के तहत सबसे सेहतमंद चीते और उनके शावक जिंदा रहेंगे और उनके शावक भारतीय परिस्थितियों में फलेंगे-फूलेंगे।

जलवायु ही एकमात्र कारण नहीं

हाल में सरकार को सौंपी गई अपनी रिपोर्ट में, विशेषज्ञों ने कहा कि जलवायु चीतों के लिए एकमात्र कारक नहीं है क्योंकि उनके निवास क्षेत्र की ऐतिहासिक सीमा दक्षिणी रूस से दक्षिण अफ्रीका तक फैली हुई है, जो विभिन्न जलवायु क्षेत्रों से युक्त है। रिपोर्ट में उद्धृत शोध के अनुसारर 2011 और 2022 के बीच 364 चीतों को स्थानांतरित करने के आंकड़ों से संकेत मिलता है कि उनके अस्तित्व के लिए जलवायु बड़ी बाधा नहीं है।।

दवा देने के हैं कई जोखिम

परियोजना से जुड़े एक अधिकारी ने स्वीकार किया कि अफ्रीकी विशेषज्ञों ने भी ऐसी स्थिति की उम्मीद नहीं थी। रिपोर्ट में इन चीतों को दवा देने के संभावित जोखिमों के बारे में चिंताएं जताई गई हैं जिसमें चीतों को भगाना, पकड़ना और बाड़ों में वापस लाना शामिल है। इस तरह की कार्रवाइयों से तनाव और मौत का जोखिम हो सकता है, जिससे चीतों का उनके नए आवास में संतुलन बनाने की प्रक्रिया प्रभावित हो सकती है। बहुप्रतीक्षित 'प्रोजेक्ट चीता' के तहत, कुल 20 चीतों को दो दलों में नामीबिया और दक्षिण अफ्रीका से कूनो राष्ट्रीय उद्यान (केएनपी) में लाया गया था। पहला दल पिछले साल सितंबर में और दूसरा दल इस वर्ष फरवरी में आया।

जीएसटी परिषद की बैठक

ऑनलाइन गेमिंग पर 28% कर अक्टूबर से

एजेंसी | नई दिल्ली

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बुधवार को कहा कि ऑनलाइन गेमिंग में दांव पर लगने वाली समूची राशि पर 28 प्रतिशत कर लगाने का फैसला एक अक्टूबर से लागू हो जाएगा। सीतारमण ने जीएसटी परिषद की बैठक के बाद संवाददाता सम्मेलन में कहा कि बैठक में दिल्ली, गोवा और सिक्कम ने ऑनलाइन गेमिंग और कसीनो पर 28 प्रतिशत कर लगाने के फैसले की समीक्षा की मांग की। हालांकि अन्य राज्यों ने इसे लागू करने की बात कही जिसके बाद फैसले को लागू करने का निर्णय किया गया। बैठक में ऑनलाइन गेमिंग पर कर लगाने के लिए जरूरी संशोधन की शब्दावली पर चर्चा की गई। परिषद की पिछली बैठक में ऑनलाइन गेमिंग, कसीनो और घुड़दौड़ में दांव पर लगाई जाने वाली पूरी राशि पर 28 प्रतिशत की दर से जीएसटी लगाने का निर्णय किया गया था। यह बैठक इस फैसले के क्रियान्वयन के तौर-तरीकों को लेकर थी। सीतारमण ने कहा कि दिल्ली के वित्त मंत्री ने ऑनलाइन गेमिंग पर कर लगाने का विरोध किया जबकि गोवा और सिक्कम चाहते थे कि कर गेम के सकल राजस्व पर लगाया जाए।

मिस राजस्थान फिनाले वीक के तीसरे दिन फोटोग्राफी के पोजेस की जानकारी दी

खूबसूरत गर्ल बनेगी मिस फोटोजेनिक

फोटो: पंकज शर्मा

बेधड़क | जयपुर

फ्यूजन ग्रुप व संडे होटल के सहयोग से आयोजित ब्यूटी पेजेंट मिस राजस्थान 2023 के फिनाले वीक के तीसरे दिन के आयोजन में फोटोग्राफर वासु जैन ने फैशन फोटोग्राफी की। इसके साथ ही वे जूरी की भूमिका में भी रहे। फोटोजेनिक राउंड के लिए मिस राजस्थान आंचल बोहरा, मानसी राठौड़ तरूश्री राय, प्रियन सैन, परिधि शर्मा, रिया जाखड़, संजना, गरिमा, सुनीता, सुहानी खुंटेटा ने फोटोग्राफी के पोजेस की जानकारी दी। इसमें मरमेड पोज, लीनिंग फॉरवर्ड पोज, साइड प्रोफाइल पोज, ऑन द फ्लोर पोज आदि के बारे में जानकारी दी गई।

गेस्ट ऑफ ऑनर संडे होटल के जीएम, करण नागपाल रहे। दिवा एंड डेबोनियर की मीनाक्षी सोलंकी के मेकअप लुक्स से मॉडल्स में बदलाव देखने लायक था।

एक महीने की दी जाती है ग्रूमिंग ट्रेनिंग

आयोजक योगेश मिश्रा व निमिषा मिश्रा ने बताया कि मिस राजस्थान का यह 25वें संस्करण के आयोजन की फिनाले वीक की शुरुआत हो गई है। 7 डेज की ग्रूमिंग में नेशनल व इंटरनेशनल लेवल के एक्सपर्ट अलग-अलग ग्रूमिंग सेशंस के द्वारा मिस राजस्थान की फाइनलिस्ट को ग्रूम करे रहे हैं। आयोजक आयोजक योगेश मिश्रा व निमिषा मिश्रा ने बताया मिस राजस्थान में 1 महीने की ग्रूमिंग ट्रेनिंग दी जाती है फिनाले वीक में सभी 28 गर्ल्स जयपुर आकर रहती हैं इस वर्ष 9 दिन की एक्टिविटी में इनकी ग्रूमिंग, ट्रेनिंग, सेशन व सबटाइटल इवेंट्स का आयोजन किया जा रहा है। इसके बाद फिनाले वीक 22 गोदाम स्थित संडे होटल में किया जा रहा है।

बिरला ऑडिटोरियम में होगा ग्रेंड फिनाले

ग्रैंड फिनाले बीएम बिरला ऑडिटोरियम में 6 अगस्त को आयोजित होगा। निवारा कॉलेज ऑफ ग्रुप के स्टूडेंट्स फिनाले ओपनिंग एक्ट में अपने-अपने डिजाइन शोकेस करेंगे। जयपुर के फेमस डिजाइनर मंदाकिनी के प्रशांत कुमार पोद्दार ग्रैंड फिनाले में टॉप 14 व टॉप 7 में अपने डिजाइन शोकेस करेंगे। साथ ही उन्हीं डिजाइंस पहना के मिस राजस्थान 2023 का ऑफिशल अनाउंसमेंट किया जाएगा।

'स्पार्क : द लाइफ' का टीजर रिलीज

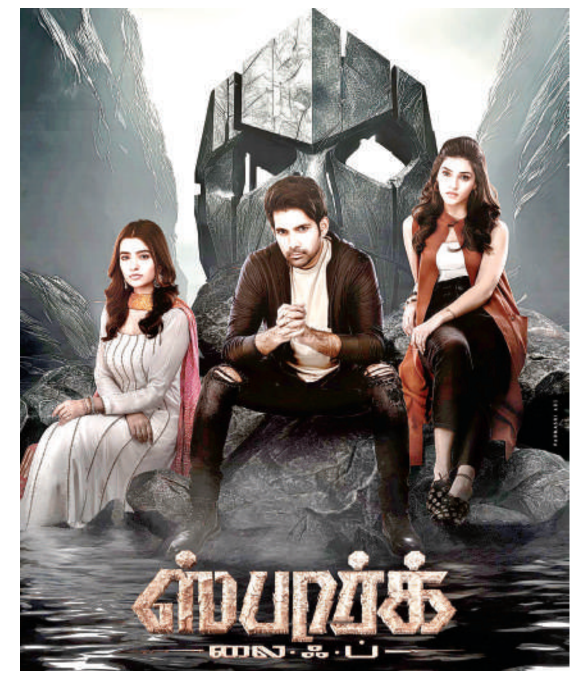

बेधड़क. जयपुर। पेन इंडिया फिल्म 'स्पार्क : द लाइफ' का टीजर बुधवार को रिलीज कर दिया गया। यह मूवी 5 भारतीय भाषाओं तेलुगु, हिंदी, तमिल, कन्नड़, मलयालम में रिलीज होगी। एक्टर विक्रांत स्पार्क से एक्टिंग में डेब्यू कर रहे हैं। उनके अपोजिट मेहरीन पीरजादा और रुखसार ढिल्लन मुख्य भूमिका में हैं। डिफ्रॉग प्रोडक्शंस की इस फिल्म की कहानी और पटकथा विक्रांत ने लिखी है। संगीत हेशम अब्दुल वहाब ने दिया है। लीला रेड्डी द्वारा प्रोड्यूस इस मूवी के डीओपी ए आर अशोक कुमार हैं। एडिटिंग प्रवीण पुदी ने की है। फिल्म में गुरु सोमसुंदरम, नासिर, वेनेला किशोर, सुहासिनी मणिरत्नम, सत्या, ब्रह्माजी, श्रीकांत अयंगर, अन्नपूर्णम्मा, राजा रवींद्र और कई अन्य कलाकार सहयोगी भूमिकाओं में हैं।

समृद्ध भाषा है राजस्थानी

बेधड़क. जयपुर। अमेरिकी लाइब्रेरी आफ कांग्रेस के अनुसार विश्व की समृद्ध भाषाओं में राजस्थानी भाषा का 13वां स्थान है। यह भाषा 1300 वर्ष पुरानी है। इस भाषा में कहावतें, लोकगीत, पहेलियां, ताम्रपत्र, वचनिका, पट्टे, रुक्के, हाल हकीकत आदि की समृद्ध परम्परा है। ये विचार काव्ययोगी किशोर कल्पनाकांत स्मृति साहित्य शोध संस्थान रतनगढ़ के अध्यक्ष वैद्य बालकृष्ण गोस्वामी ने एक गोष्ठी में व्यक्त किए। उन्होंने कृषि संबंधी हजारों कहावतें और उक्तियां हैं। मानव स्वभाव व प्रकृति को विभिन्नता और सूक्ष्मता से प्रकट करने के लिए 220 शब्द हैं। समुद्र राजस्थान से दूर है फिर भी इसके 60 पर्यायवाची शब्द हैं। साहित्य सरोवर संस्था मुरलीपुरा जयपुर द्वारा जूपीटर प्रोपर्टीज के प्रांगण में आयोजित इस गोष्ठी में समृद्ध राजस्थानी भाषा को शीघ्र मान्यता देने की मांग की गई। कार्यक्रम के अध्यक्ष वैद्य गोपीनाथ पारीक गोपेश, शिक्षाविद सुभाष चन्द्र शर्मा, कवि गणपत लाल वर्मा ने रचनाएं प्रस्तुत कीं। गोष्ठी में विश्वनाथ शर्मा, विद्यानिधि त्रिवेदी, हरिशंकर पारीक, प्रह्लाद कुमावत चंचल, तुलसीदास धाकड़ आदि ने भाग लिया।

City इवेंट्स

कलश यात्रा के साथ भागवत शुरू

बेधड़क. जयपुर। पुरुषोत्तम मास के उपलक्ष्य में बुधवार से सीकर रोड स्थित अल्का मैरिज गार्डन में श्रीमद् भागवत कथा प्रारंभ हुई। सुबह रतन पान वाले की गली से कलश यात्रा निकाली गई, जिसमें 500 से अधिक महिलाएं शामिल हुईं। आयोजक ओम प्रकाश अग्रवाल ने बताया कि कलश यात्रा खेतान हॉस्पिटल चौराहा होते हुए कथा स्थल पर पहुंची। यहां व्यासपीठ से कथा का वाचन करते हुए डॉ. संजीव कृष्ण ठाकुर ने पहले दिन कथा के महत्व पर प्रकाश डाला। संयोजक नंद किशोर अग्रवाल ने बताया कि कथा प्रतिदिन दोपहर 2 बजे से 6:30 बजे तक होगी। आयोजक अनिल अग्रवाल ने बताया कि 3 अगस्त को पांडव चरित्र, राजा परीक्षित मिलन, 4 अगस्त को ध्रुव, प्रहलाद चरित्र, वामन जन्म, 5 अगस्त को कृष्ण जन्मोत्सव, 6 अगस्त को कृष्ण की बाल लीलाएं, गोवर्धन महोत्सव, 7 अगस्त को लेकर कृष्ण-रुक्मणी विवाह महोत्सव और 8 अगस्त को सुदामा चरित्र प्रसंग होंगे। अंतिम दिन 9 अगस्त को हवन, श्याम संकीर्तन और भंडारे के साथ कथा का समापन होगा। इस मौके पर आयोजक परिवार के सभी सदस्य मौजूद थे।

'राम' ने किया भोले का अभिषेक

बेधड़क. जयपुर। ताड़केश्वर महादेव मंदिर में भोलेनाथ का रामेश्वरम सेतुबंध श्रृंगार किया गया। पंडित उमाशंकर व्यास ने बताया कि ताड़केश्वर महादेव में प्रभु श्रीराम, लक्ष्मण और हनुमान द्वारा लंका विजय की कामना के लिए जलाभिषेक पूजन करते हुए की झांकी सजाई गई। बड़ी संख्या में भक्तों ने इस मनोरम झांकी के दर्शन किए।

शिविर में 205 यूनिट रक्त का संग्रहण

कर्मचारी नेता शर्मा की याद में जलनायकों ने किया रक्तदान

बेधड़क | जयपुर

राजस्थान इंटक फेडरेशन के कर्मचारी नेता स्व. मांगीलाल शर्मा की 30 पुण्यतिथि पर बुधवार को जवाहर नगर के जनपयोगी भवन में रक्तदान शिविर व श्रद्धांजलि सभा आयोजन किया गया। शिविर में कर्मचारियों ने 205 यूनिट रक्तदान किया। आयोजक व पीएचईडी इंटक के प्रदेशाध्यक्ष संजय सिंह शेखावत व संरक्षक जगदीश शर्मा, जिला अध्यक्ष ताराचंद सैनी ने बताया कि पहले रक्तदान शिविर स्थल पर ही श्रद्धांजलि सभा भी हुई। सभा में पूर्व मंत्री अरुण चतुर्वेदी, भाजपा के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष अशोक परनामी, राजस्थान इंटक के प्रदेशाध्यक्ष व श्रम राज्य मंत्री जगदीश राज श्रीमाली, नगर निगम हेरिटेज महापौर मुनेश गुर्जर भी शामिल हुए।

कार्यक्रम में जलदाय अभियंताओं के साथ ही कर्मचारियों ने श्रद्धांजलि अर्पित की। इस मौके पर ऑटो टैक्सी इंटक यूनियन के अध्यक्ष फूलचंद गुर्जर, उमराव कुरैशी जलदाय इंटक के महामंत्री राजेन्द्र सिंह सोलंकी, प्रदेश सलाहकार रामाशंकर गुर्जर उपाध्यक्ष रघुवीर सिंह शेखावत ने बताया कि रक्तसंग्रहण जयपुर के सवाई मान सिंह हॉस्पिटल ब्लड बैंक व सोनी हॉस्पिटल व अन्य की सहयोग से रक्त संग्रहण किया गया।

बाल साहित्य अकादमी ने घोषित किए पुरस्कार

6 बाल साहित्य मनीषी, दो विशिष्ट बाल साहित्यकार होंगे सम्मानित

बेधड़क | जयपुर

पंडित जवाहर लाल नेहरू बाल साहित्य अकादमी द्वारा सत्र 2023-24 के लिए 8 पुरस्कारों की घोषणा की गई है। अकादमी अध्यक्ष इकराम राजस्थानी ने बताया कि अकादमी पहली बार बाल साहित्य में विशिष्ट योगदान देने वाले दो वरिष्ठ बाल साहित्यकारों को सम्मानित करेगी। इनमें पहला सम्मान गिलूंड निवासी जगदीश शर्मा गिलुंड को स्व. मनोहर वर्मा के नाम से सम्मानित किया जाएगा। इसी क्रम में जोधपुर के वरिष्ठ कवि एवं गीतकार डॉक्टर आईदान सिंह भाटी को बाल गीतों के अनुपन योगदान के लिए स्व. लक्ष्मीनारायण रंगा के नाम से सम्मान प्रदान किए जाएगा।

इकराम राजस्थानी ने बताया कि इसी क्रम में अकादमी 6 बाल साहित्य मनीषियों को भी इसी माह में आयोजित किए जाने वाले समारोह में पुरस्कृत करेगी। इनमें श्री गंगानगर के डॉ. कृष्ण कुमार आशु, हनुमानगढ़ के दीन दयाल शर्मा, लाडनूं के डॉ. आनन्द प्रकाश त्रिपाठी, भीलवाड़ा के डॉ. भैरुं लाल गर्ग, उदयपुर के तरुण दाधीच तथा ग्राम रायसाना करौली के प्रभात का नाम शामिल है। अकादमी सचिव राजेन्द्र मोहन शर्मा ने बताया कि सभी सम्मानित किए जा रहे रचनाकार लम्बे समय से बाल साहित्य सृजन से जुड़े हैं।

बाघोदय राजस्थानी टाइगर एंथम का प्रोमो आया सामने

बाघ संरक्षण और उनका कुनबा बढ़ाने पर होगा विमर्श

बेधड़क | जयपुर

मशहूर वाइल्ड लाइफ फिल्म निर्माता सुब्बैया नल्ला मुथु द्वारा फिल्माए गए राजस्थानी टाइगर एंथम का प्रोमो सामने आ चुका है। शांतनु मोइत्रा ने म्यूजिक कंपोज किया है।

वर्ल्ड वाइल्डर्नेस कांग्रेस ट्रस्ट ऑफ इंडिया और सरिस्का टाइगर फाउंडेशन की ओर से 4 अगस्त को राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में होने वाले 'बाघोदय' कार्यक्रम में एंथम लांच किया जाएगा। नेशनल टाइगर प्रोजेक्ट के सफलतापूर्वक 50 वर्षों का कीर्तिमान स्थापित करने और सरिस्का में बाघ विस्थापित करने के 15 वर्ष पूरे होने पर यह आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम में पर्यावरण व बाघ संरक्षण के क्षेत्र में कार्यरत हस्तियां बाघ संरक्षण और संख्या में वृद्धि के उपायों पर विचार विमर्श करेंगी।

बाघों पर विचार करेंगे विशेषज्ञ

डब्ल्यूडब्ल्यूटीआई के चैयरमेन और एसटीएफ अध्यक्ष सुनील मेहता ने बताया कि नेशनल टाइगर प्रोजेक्ट के 50 वर्ष पूरे हो गए हैं। साथ ही विश्व में पहली बार जंगली बाघ को विस्थापित कर सरिस्का में बाघों का कुनबा बढ़ाने की पहल ने भी 15 साल पूरे कर लिए हैं। यह विचार करना चाहिए कि बाघों के संरक्षण और संवर्धन के लिए क्या किया जा सकता है।

राजस्थानी में बाघ एंथम होगा लॉन्च

कार्यक्रम में सुब्बैया नल्ला मुथु की फिल्म दिखाई जाएगी। इसी के साथ बाघ एंथम का राजस्थानी वर्जन लॉन्च किया जाएगा। हाल ही प्रधानमंत्री ने राष्ट्रीय स्तर पर यह एंथम लॉन्च किया था। इसी के साथ वेंस जी. मार्टिन की ओर से बाघ संरक्षण नीति से जुड़ी प्रजेंटेशन दी जाएगी। स्कूली बच्चे भी इस कार्यक्रम में बाघ संरक्षण पर अपने विचार व्यक्त करेंगे।

ये विशेषज्ञ होंगे शामिल

आइयूसीएन के वाइल्डर्नेस स्पेशलिटी ग्रुप अध्यक्ष वेंस जी मार्टिन, बॉम्बे नेचुरल हिस्ट्री सोसाइटी अध्यक्ष प्रवीण परदेशी, फिल्म निर्माता सुब्बैया नल्ला मुथु, म्यूजिक कंपोजर शांतनु मोइत्रा, डब्ल्यूडब्ल्यूएफ-इंडिया महासचिव रवि सिंह, पूर्व वन मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर, एसटीएफ संस्थापक सचिव दिनेश दुरानी, वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. बिलाल हबीब, एस्ट्रल लिमिटेड के कार्यकारी निदेशक कैरव, ग्रीन ऑस्कर विजेता रोहित कारू, ताड़ोबा-अंधारी टाइगर रिजर्व के सीसीएफ डॉ. जितेन्द्र रामगावकर, अतिरिक्त मुख्य सचिव शिखर अग्रवाल, भारती मोराका, नेशनल सस्टीरिंग कमिटी सदस्य आरएन मेहरोत्रा, नेशनल टाइगर कंजर्वेशन अथॉरिटी राहुल भटनागर, आईसीआईसीआई फाउंडेशन के सीईओ अनुज अग्रवाल, मैन ऑफ वाइल्ड दौलत सिंह शक्तावत, आईसीआईसीआई बैंक के गवर्नमेंट बिजनेस प्रमुख सौरभ सिंह।

सृष्टिविनायक एंटरटेनमेंट मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक व प्रकाशक मिताली यादव द्वारा सच बेधड़क दैनिक हिन्दी अखबार, 34/16-ए, शिप्रा पथ, मानसरोवर, जयपुर-302020 (राजस्थान) से प्रकाशित एवं भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, शिवदासपुरा, रेलवे क्रॉसिंग टोंक रोड, जयपुर (राजस्थान) से मुद्रित।
संपादक: मनोज माथुर*, **फोन नं. :** 9664014179 (ऑफिस), **ई-मेल:** news@sachbedhadak.com, **RNI No. :** RAJHIN/2021/82557 *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार।

दैनिक हिन्दी अख़बार
सच बेधड़क

"सच बेधड़क" दैनिक हिन्दी अख़बार की प्रति PDF के माध्यम से मुफ़्त प्राप्त करने के लिए इस लिंक पर Click कीजिए

Telegram

https://rb.gy/3bkrnl